सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

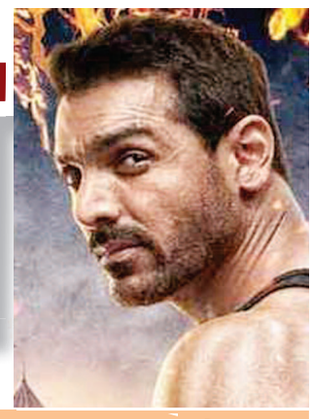

शुभमन बोले, बल्लेबाजी क्रम को लेकर अभी कोई फैसला....-पेज: 7

ओटीटी से आज भी दूरी बनाए हुए हैं ये सितारे......... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 59 | शनिवार 07 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

जम्मू-कश्मीर मां भारती का मुकुट, कटरा में बोले पीएम मोदी, हमने चुनौती को चुनौती देने का रास्ता चुना

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कटरा में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने शुक्रवार को दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब रेलवे पुल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अंजी में भारत के पहले केबल-स्टेड रेलवे पुल का भी उद्घाटन किया और बाद में श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच चलने वाली दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। कटरा में इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम भारत की एकता और इच्छाशक्ति का बहुत बड़ा उत्सव है। माता वैष्णोदेवी के आशीर्वाद से आज कश्मीर की घाटी भारत के रेल नेटवर्क से जुड़ गई है। माता भारती का वर्णन करते हुए हम श्रद्धा के साथ कहते रहे हैं, कश्मीर से कन्याकुमारी तक। यह अब रेलवे नेटवर्क के लिए भी वास्तविकता बन गया है। उन्होंने कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-

कटरा में इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम भारत की एकता और इच्छाशक्ति का बहुत बड़ा उत्सव है। माता वैष्णोदेवी के आशीर्वाद से आज कश्मीर की घाटी भारत के रेल नेटवर्क से जुड़ गई है।

बारामुल्ला रेल लाइन परियोजनाएं, ये सिर्फ नाम नहीं हैं, ये जम्मू कश्मीर के नए सामर्थ्य की पहचान हैं। भारत के नए सामर्थ्य का जयघोष है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि थोड़ी देर पहले मुझे चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज का लोकार्पण करने का अवसर मिला है। आज ही दो नई वंदे भारत ट्रेनें जम्मू कश्मीर को मिली है। जम्मू में नए मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास हुआ है। 46,000 करोड़ रुपये की ये परियोजनाएं जम्मू और कश्मीर के विकास को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि ये हमारी सरकार का सौभाग्य है कि इस प्रोजेक्ट ने हमारे कार्यकाल में गति पकड़ी और हमने इसे पूरा करके दिखाया। रास्ते में आने जाने की मुश्किलें, मौसम की परेशानी, लगातार पहाड़ों से गिरते पत्थर... ये प्रोजेक्ट पूरा करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन हमारी सरकार ने चुनौती को ही चुनौती देने का रास्ता चुना है। मोदी ने कहा कि चिनाब ब्रिज, दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। ये ब्रिज, एफिल टॉपर से भी उंचा है। अब लोग चिनाब ब्रिज के जरिए कश्मीर देखने तो जाएंगे ही, साथ ही ये ब्रिज भी अपने आप में एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनेगा। उन्होंने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का एक बयान मिला, जिसमें उन्होंने कहा कि जब वे 7वीं या 8वीं कक्षा में थे, तब से इस परियोजना के पूरा होने का इंतजार कर रहे थे। आज कई लोगों के सपने साकार हुए हैं। मोदी सरकार के लिए यह गर्व की बात है कि चिनाब पुल पर काम की गति तेज हुई और परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हुई। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर, मां भारती का मुकुट है। ये मुकुट एक से बढ़कर एक खूबसूरत रत्नों से जड़ा हुआ है। ये अलगअलग रत्न, जम्मू कश्मीर का सामर्थ्य हैं। यहां की पुरातन संस्कृति, यहां के संस्कार, यहां की आध्यात्मिक चेतना, प्राकृति का सौंदर्य, यहां की जड़ी बूटियों का संसार, फलों और फूलों का विस्तार, यहां के युवाओं का कौशल... मुकुट मणि की तरह चमकता है।

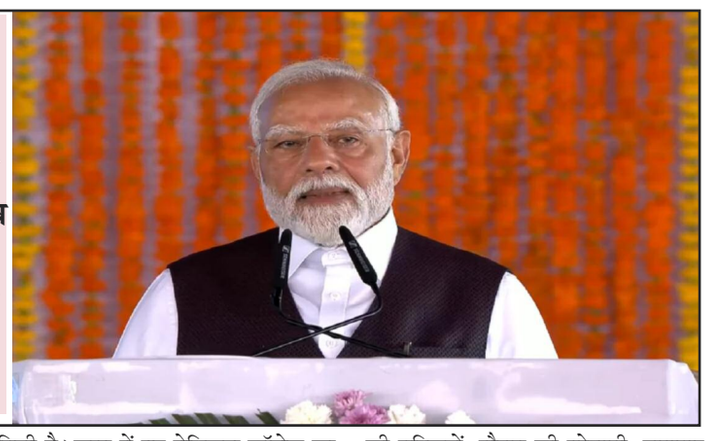

बिहार की राजनीति में चिराग की चाल को कैसे समझे, क्या फ्रंट फुट पर खेलने की कर रहे कोशिश?

बिहार (एजेंसी): बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारी में लगे हुए हैं। हालांकि, बिहार चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को लेकर जबरदस्त तरीके से चर्चा है। और केंद्र में मंत्री होने के बावजूद भी चिराग पासवान की पार्टी की ओर से इस बात का ऐलान कर दिया गया है कि वह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इतना ही नहीं, पार्टी ने तो यह भी कह दिया है कि वह किसी जनरल सीट से चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर एक ओर नीतीश और मोदी के साथ मजबूती से खड़े रहने का दम भरने वाले चिराग पासवान के मन में क्या चल रहा है? चिराग पासवान की पार्टी के सांसद अरुण भारती ने जिस तरीके से एक्स पर कई बातें लिखी, उससे तो साफ तौर पर ऐसा ही लग रहा है कि चिराग पासवान की पार्टी हर हाल में उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना

चाहती है। लेकिन चिराग पासवान इस बात का दम भी भर रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई वैकेंसी नहीं है। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने रहेंगे। ऐसे में सवाल यह है कि चिराग पासवान फिर बिहार में विधानसभा चुनाव क्यों लड़ना चाहते हैं? वह केंद्र सरकार में मंत्री है बिहार में भी उनकी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ सकती है। बिहार में पहले से ही एनडीए गठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा मौजूद है। ऐसे में चिराग की चाल को क्या समझा जाए? एनडीए में चिराग पासवान की पार्टी बिहार में

पाकिस्तान जैसी है राहुल गांधी की भाषा, करना चाहिए इनका बहिष्कार, कांग्रेस नेता पर गिरिराज सिंह का वार

बिहार (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'बेकार' बताया और उन पर सेना का अपमान करने का आरोप लगाया। सिंह ने ये टिप्पणियां राहुल गांधी के बिहार दौरे पर टिप्पणी करते हुए कीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बातें पाकिस्तान जैसी हैं और वह देश का सम्मान नहीं करते। पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, 'राहुल गांधी ने भारत के पराक्रम का विरोध किया, सेना की बहादुरी पर सवाल उठाए और दुनिया भर में सेना की प्रतिष्ठा को धूमिल किया। बिहार की जनता उनका विरोध करेगी, वह ऐसे व्यक्ति को वोट क्यों देगी जो सेना और देश का सम्मान नहीं करता? राहुल गांधी की जुबान पाकिस्तान

जैसी है और वह देश का सम्मान नहीं करते।' गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अपमान नहीं हो रहा है। 1971 में सेना जीती थी या इंदिरा जी जीती थीं? सेना जीती थी। अटल जी विपक्ष में थे और उन्होंने कहा था कि अब कोई पार्टी नहीं है, सिर्फ. भारत है। और ये निकम्मा आदमी (राहुल गांधी) देश की वीरता और सेना का मजाक उड़ा रहा है। ऐसे आदमी का बहिष्कार किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को बिहार के गया एयरपोर्ट पहुंचे। कांग्रेस के आधिकारिक अकाउंट एक्स के अनुसार, वे 'संविधान सम्मेलन' को संबोधित करेंगे और कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इससे पहले, राहुल गांधी ने दरभंगा का दौरा किया, छात्रों से बातचीत की और जाति जनगणना और आरक्षण जैसे मुद्दों पर चर्चा की। बिहार पुलिस द्वारा अनुमति न दिए जाने के बावजूद नेता प्रतिपक्ष मई में दरभंगा के अंबेडकर छात्रावास में भाषण देने पहुंचे, जिसके कारण जिला प्रशासन ने उनके खिलाफ मामला भी दर्ज किया। उन्होंने सामाजिक न्याय के महत्व पर जोर दिया और जाति जनगणना की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सरकार की नीतियों की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता के दबाव के कारण इसकी घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

नायब सैनी के सरकारी आवास और राज्य सचिवालय को मिला धमकी भरा ईमेल, बढ़ाई गई सुरक्षा

चंडीगढ (एजेंसी): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सरकारी आवास और राज्य सचिवालय को निशाना बनाकर फिदायीन (आत्मघाती) हमले की धमकी देने वाला एक ईमेल मिला है। जवाब में, सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) और पुलिस ने दोनों स्थानों को खाली करा लिया। बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया और मुख्यमंत्री के आवास और सचिवालय दोनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री का आवास, संत कबीर कुटीर और सचिवालय चंडीगढ़ में स्थित हैं। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद चंडीगढ़ पुलिस और सीआईएसएफ ने दोनों जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। दोपहर करीब 3:15 बजे सूचना मिली कि कार्यालय

भवन में बम हो सकता है। बम की धमकी मिलने के बाद सचिवालय परिसर को खाली करा दिया गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, हरियाणा पुलिस, चंडीगढ़ पुलिस और अपराध जांच विभाग हरियाणा सचिवालय में मौजूद हैं और हाई अलर्ट पर हैं। सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास पर बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड भी पहुंच गए हैं और इलाके का निरीक्षण कर रहे हैं। दफ्तर में एक फायर ब्रिगेड और एक एम्बुलेंस भी मौजूद है। इस बीच, दिल्ली में उद्योग भवन को भी परिसर को उड़ाने की धमकी वाला एक ई-मेल मिला। भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव को संबोधित ई-मेल में दावा किया गया था कि उद्योग भवन परिसर के अंदर आत्मघाती आईईडी का इस्तेमाल किया जाएगा। धमकी के बाद, इमारत को खाली करने और आवश्यक कदम उठाने के लिए अलर्ट जारी किया गया। बम की धमकी मॉक ड्रिल से एक दिन पहले आई है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां 31 मई की शाम को पाकिस्तान की सीमा से लगे जिलों में सुरक्षा ड्रिल करने वाली हैं। ड्रिल अभ्यास, जिसे शुरू में स्थगित कर दिया गया था, गुजरात, पंजाब, राजस्थान और जम्मू और कश्मीर में होगा, जिसका उद्देश्य सीमा पार खतरों के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में तैयारियों को बढ़ाना और जागरूकता सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बोले- मुझे उम्मीद है जम्मू-कश्मीर फिर से पूर्ण राज्य बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी): मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कश्मीर के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के मौके पर जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा उठाया। उमर अब्दुल्ला ने कहा, इस मंच पर चार व्यक्ति हैं, जो कटरा रेलवे स्टेशन के उद्घाटन (2014 में) के समय उपस्थित थे। आप चुनाव जीतकर आए थे, पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। उस समय प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्य मंत्री (एमओएस) जितेंद्र सिंह मौजूद थे और हमारे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा साहब रेल राज्य मंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे और मैं मुख्यमंत्री के तौर पर यहां था।" उन्होंने कहा, यदि आप देखें तो

माता (वैष्णो देवी) के आशीर्वाद से सिन्हा को पदोन्नति मिली है और मुझे पदावनति। मैं पहले एक राज्य का मुख्यमंत्री था और अब मैं केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं। हालांकि, मेरा मानना है कि इसे ठीक करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा.... आपके कार्यकाल में ही जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा मिलेगा।" अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पूर्ववर्ती राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया था। अब्दुल्ला ने कहा कि कई लोगों ने कश्मीर में ट्रेन चलने का सपना देखा था। उन्होंने कहा, कश्मीर को रेल से जोड़ने का सपना तो अंग्रेजों ने भी देखा था, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। उनकी योजना झेलम के किनारे उरी से रेल लाकर देश से जोड़ने की थी। जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वह आपके (मोदी) हाथों हुआ और कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से जुड़ गया।" अब्दुल्ला ने कश्मीर तक ट्रेन को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

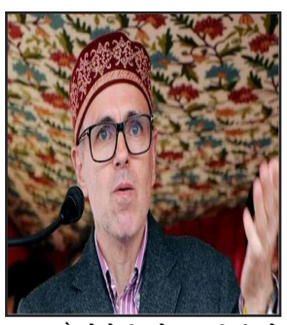

राहुल गांधी के 'लंगड़े घोड़े' वाले बयान पर बवाल, पैरा स्पोर्ट्स खिलाड़ियों खेल मंत्री को ज्ञापन सौंपा

भोपाल (एजेंसी): मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पैरा-स्पोर्ट्स खिलाड़ियों और दिव्यांग लोगों के एक समूह ने शुक्रवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उनके 'लंगड़ा घोड़ा' वाले बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और राज्य के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग को एक ज्ञापन सौंपा। दिव्यांग लोगों ने दावा किया कि राहुल गांधी ने 3 जून को अपने भोपाल दौरे के दौरान अपने संबोधन के दौरान आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था और कांग्रेस नेता से माफी मांगने की मांग की। एएनआई से बात करते हुए पैरा एथलीट निपेंद्र चौरे ने कहा कि आज हम राहुल गांधी के खिलाफ ज्ञापन सौंपने आए हैं जिन्होंने भोपाल यात्रा के दौरान अपने भाषण में विकलांग लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था। यह बिल्कुल गलत है,

गैरजिम्मेदाराना है और ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे प्रधानमंत्री हर क्षेत्र में विशेष रूप से सक्षम लोगों को प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें 'विकलांग' शब्द पर आपत्ति थी और इसे 'दिव्यांग' से बदल दिया। अगर हमारे देश के प्रधानमंत्री हमें सम्मान दे रहे हैं, तो आप भी विपक्ष के नेता हैं, एक जिम्मेदार पद पर हैं, इसलिए आपको भी ऐसे अपमानजनक शब्द नहीं कहने चाहिए। इससे पूरा दिव्यांग समुदाय आहत हुआ है और राहुल गांधी को पूरे दिव्यांग समुदाय से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वे भी देश का हिस्सा हैं और इसकी प्रगति में योगदान देते हैं। उनके सम्मान को ठेस पहुंचाना पूरी तरह से गलत और गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। चौरे ने कहा, "हम भी वोट देते हैं, हम भी हर चीज में हिस्सा लेते हैं और नौकरी करते हैं। हम भी देश का हिस्सा हैं और हम भी देश की प्रगति में योगदान देते हैं। हमारे सम्मान को ठेस पहुंचाना पूरी तरह से गलत और गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए।" इस बीच, मध्य प्रदेश के खेल और युवा कल्याण मंत्री सारंग ने कहा कि राहुल गांधी ने न केवल दिव्यांग लोगों का अपमान किया है, बल्कि कांग्रेस नेताओं का भी अपमान किया है, क्योंकि उन्होंने उनकी तुलना एक जानवर से की है।

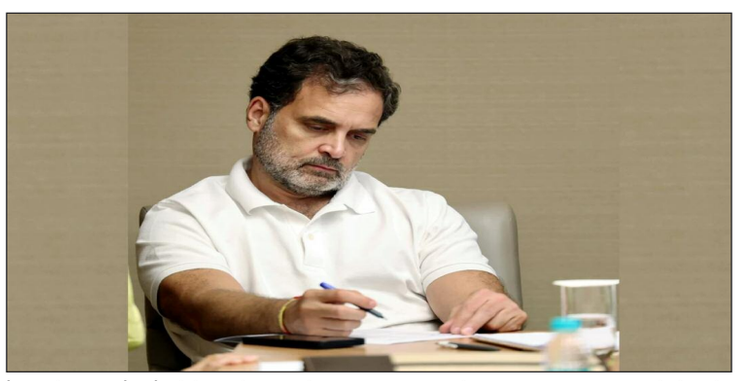

'मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तुरंत दें इस्तीफा', भाजपा ने भगदड़ के लिए कांग्रेस सरकार को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी): बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी जंग छिड़ गई है। भाजपा ने इसे सरकार निर्मित आपदा बताते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का इस्तीफा मांगा है। वहीं, शिवकुमार ने भाजपा नेताओं पर गलतबयानी करने का आरोप लगाया। भगदड़ के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि सिद्दरमैया और शिवकुमार के बीच आपसी लड़ाई और मनमुटाव के कारण राज्य में भगदड़ मची। इस भगदड़ के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। तेलंगाना में भगदड़ के चलते अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी को किया याद उन्होंने पिछले साल तेलंगाना में भगदड़ के चलते तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी को याद किया, जहां कांग्रेस सत्ता में है। पूछा कि क्या कांग्रेस कर्नाटक में भी यही नियम अपनाएगी और अपने दो वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार करेगी। उन्होंने राहुल गांधी की भी आलोचना की और उनसे घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ने और मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री को पद से हटाने के लिए कहा। जांच समिति का गठन केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग की और भगदड़ की जांच

के लिए हाई कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश के नेतृत्व में जांच समिति गठित करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर इस आयोजन के लिए बिना किसी योजना या विचार के जल्दबाजी में काम करने का आरोप लगाया। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस को अयोग्य, अक्षम, गैरजिम्मेदार और भ्रष्ट करार दिया। आगे कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी भ्रष्ट नेताओं से भरी हुई है, जो झूठे वादे करते हैं और बेंगलुरु जैसे शहर में सार्वजनिक कार्यक्रमों का प्रबंधन करने में विफल रहते हैं, जिसे एशिया की सिलिकान वैली कहा जाता है। पीड़ित हमारे अपने परिवार के लोग- डीके शिवकुमार भाजपा द्वारा की जा रही आलोचना के बीच डीके शिवकुमार ने कहा कि 11 लोगों की जान लेने वाली इस घटना के कारण बेंगलुरु की छवि खराब हुई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हमें बहुत दुख हुआ है। पीड़ित हमारे अपने परिवार के लोग हैं। मेरे सीएम भी सदमे में हैं- शिवकुमार आगे कहा कि कर्नाटक की छवि, बेंगलुरु की छवि..हां हम इसकी (जिम्मेदारी) लेते हैं। हम दूसरों को दोष नहीं दे रहे हैं। हालांकि यह बहुत अप्रत्याशित रूप से हुआ है। किसी को भी इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। हम मृतक का सम्मान करना चाहते हैं। मेरे सीएम भी सदमे में हैं, मेरे गृह मंत्री भी सदमे में हैं और पूरा राज्य सदमे में है। राज्य इस पर शोक मना रहा है। पुलिस ने जश्न मनाने की अनुमति नहीं दी थी विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों पर कि पुलिस ने जश्न मनाने की अनुमति नहीं दी थी, उन्होंने कहा-मैं भाजपा के इन लोगों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मैं केवल कर्नाटक और देश के लोगों के प्रति जवाबदेह हूं। सभी भाजपाई गलतबयानी कर रहे हैं- शिवकुमार सभी भाजपाई गलतबयानी कर रहे हैं।

संपादकीय

खत्म हुआ इंतजार

सोलह साल बाद जातिगत गणना के साथ सोलहवीं जनगणना-2027 दो चरणों में कराने का सरकार ने निर्णय लिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख व जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल व उत्तराखंड़ के बर्फीले इलाकों में पहली अक्टूबर, 2026 से इसकी शुरूआत होगी जबकि बाकी देश में इसकी प्रक्रिया एक मार्च, 2027 से चालू की जाएगी। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के अनुसार, जनगणना कराने की आवश्यक अधिसूचना आगामी 16 जून को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अनुसार की जाती है। इससे पहले जनगणना 2011 में हुई थी जो 2021 में होनी थी। मगर कोविड़ महामारी फैलने के कारण नहीं की जा सकी। जनगणना के दौरान राष्ट्रीय आबादी रजिस्टर को अपडेट करने के विषय में अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस सारी प्रक्रिया में तेरह हजार करोड़.रुपये से अधिक का खर्चा आने की उम्मीद है। जनगणना के दौरान खान-पान, पेयजल, बिजली, शौचालय, रेड़ियो व टेलीविजन के बारे में जानकारी ली जाएगी। गैस कनेक्शन/रसोई ईंधन, परिजनों की संख्या व मुखिया, घर की फर्श, दीवारें व छत की स्थिति भी पूछी जाएगी। जातिगत गणना को लेकर सरकार ने अचानक पैंतरा बदला है क्योंकि विपक्ष की लगातार मांग के बावजूद इसे दरकिनार किया जाता रहा है। पहली जनगणना में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा 1881 के बाद से 1931 तक हर दस वर्ष में जातिगत आंकड़े.भी जारी किए जाते थे। 1941 में ये आंकड़े.जारी नहीं किए गए थे। इसके बाद से सरकारें अनुसूचित जाति/जनजाति के ही आंकड़े.जारी करती रही हैं। जाति जनगणना का विरोध मरने वाले मानते हैं, इससे जातियों में दरारें पड़.सकती हैं। दूसरे पिछड़ों व अतिपिछड़ों की संख्या आधी आबादी से ज्यादा निकलती है तो इसका राजनीति और समाज पर गहरा असर हो सकता है। कहा जा सकता है, ब्राह्मणों/बनियों का दल कहलाने वाली भाजपा ने दूर की कौड़ी चलने की रणनीति बनाई है। बावजूद देशवासियों की असल स्थिति और आबादी की संख्या जानने का यह बेहतरीन तरीका है जिससे सरकार को स्पष्ट नीतियां और योजनाएं बनाने और कार्यान्वित करने में बहुत मदद मिलेगी। हालांकि इस प्रक्रिया में देरी का सरकार के पास कोई स्पष्टीकरण नहीं है।

चिंतन-मनन

इच्छाएं जीवात्मा को मोह से बांधे रखती हैं

इंद्रियां, मन और बुद्धि काम-वासना के निवास-स्थान कहे जाते हैं। इनके द्वारा ज्ञान को ढककर काम-वासना जीवात्मा को मोहित करती है। कामरूपी दुश्मन का नाश करने के लिए यह पता होना जरूरी है कि यह रहता कहां है। इसलिए कृष्ण कह रहे हैं कि काम-वासना किसी एक जगह नहीं रहती, बल्कि यह तो हमारे तीनों शरीरों- स्थूल, सूक्ष्म और कारण में निवास करती है। इसकी पकड़ बड़ी मजबूत होती है, इसलिए इसका नाश करना बड़ा मुश्किल है। मिसाल के तौर पर जब काम-वासना इन्द्रियों में जगती है, तब इन्द्रियां बेकाबू हो जाती हैं। जब यह मन में जगती है तो दूसरे काम करते हुए भी मन में काम-वासना के बारे में ही ख्याल चलते रहते हैं। ऐसे वक्ति में दिमाग में केवल काम ही भरी रहती है और बुद्धि दूसरा निर्णय नहीं ले पाती। इसलिए हमारी चेतना की मुख्य जगहों इन्द्रियों, मन और बुद्धि में जैसे ही काम अपना बसेरा डालता है, वहां से ज्ञान गायब हो जाता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े ज्ञानियों में भी जब काम उपजता है तो वह उनके ज्ञान को ढक लेता है। काम का मतलब यहां केवल काम-वासना से ही नहीं, बल्कि हमारी अन्य कामनाओं से भी है। कामनाएं या इच्छाएं जीवन भर इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं और इस वजह से जीवात्मा का संसार को लेकर मोह बना रहता है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वैश्विक खाद्य सुरक्षा दिवस : खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर भारत

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

एक समय था जब भारत अपनी खाद्यान्न आपूर्ति के लिये दूसरे देशों की दया पर निर्भर था। हमारे पास न उस समय कृषि के साधन थे, और न ही उन्नत तकनीक थी। फलतः आज का वही कृषक पहले अपनी कृषि से वैसा उपज नहीं प्राप्त कर पाता था, जैसा कि आज वह प्राप्त कर रहा है। आज कई मायनों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्म निर्भर हो चुका है। इस संबंध में समाजशास्त्रियों का भिन्न-भिन्न मत है। कुछ कहते हैं कि ये ठीक है कि आज हम खाद्यान्न उपज के मामले में पूर्व से बहुत बेहतर हैं, पर आज हमारी जनसंख्या भी तो बहुत बढ़ गई है, जिससे हमारी खाद्यान्न उत्पादन की बढ़ी हुई क्षमता तो जैसी की तैसी ही रह गई अर्थात हम जहाँ पहले वे आज भी वहीं है कोई परिवर्तन नहीं है। जबकि दूसरे मत के समाजशास्त्री कहते हैं कि भारत में जनसंख्या की वृद्धि हुई है यह सही बात है, पर इस तथ्य को भी हमें नहीं भूलना चाहिये कि यहाँ अब श्रम करने वाले हाथ भी तो उतने ही बढ़ गये हैं, जो खाद्यान्न उत्पादन के लिये आवश्यक है। अर्थात जहाँ कम क्षेत्रफल में कम हाथों (श्रमजीवी किसान) द्वारा जो कार्य किया जा रहा था। बहुत सीमित एरिया सीमित मात्रा में था, वह अब असीमित होकर हमारी क्षमता को बेहतर और वृहत्तर बना रहा है।

वैसे दूसरा मत वास्तविकता के नजदीक जान पड़ता है, ऐसा मुझे लगता है। एक दिन मैं एक पुरानी पत्रिका जो मई 1973 को प्रकाशित हुई थी, उसके पृष्ठ को पढ़ रहा था तो उसमें एक जगह सरकारी विज्ञापन दिखाई दिया जिसमें लिखा था,....'कम अनाज खाइये ' खाद्यान्नों के मूल्य कम करना आपके हाथ में है, गेहूँ चावल कम खाईये, सप्ताह में कम से कम एक बार बिना अनाज का 'भोजन लीजिये।' उक्त विज्ञापन से साफ जाहिर होता है कि आज से कुछ वर्षों पूर्व हम खाद्यान्न के मामले में बहुत पीछे थे, हमारे यहाँ खाद्यान्नों जैसे गेंहू, चावल की

बहुत कमी थी ,तभी तो सरकार ने मजबूर होकर ऐसा विज्ञापन दिया रहा होगा। पर क्या आपने आजकल गत वर्षों में ऐसा कुछ विज्ञापन देखा है...? इसका जवाब होगा बिलकुल नहीं। इसका मतलब यही हुआ न कि अब हमारे यहाँ वैसी स्थिति नहीं है जैसी पहले हुआ करती थी। अब तो यह स्थिति है कि अब हम चायपत्ती उत्पादन में विश्व में प्रथम चावल में द्वितीय, गेहूँ में, तीसरी एवं चीनी उत्पादन में दूसरे, कपास में भी दूसरा स्थान पर है। देश में चावल का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य प. बंगाल एवं दूसरा आंध्र प्रदेश है, किंतु चावल की प्रति हेक्टेयर उपज पंजाब में सर्वाधिक है, मध्यप्रदेश आज देश में, सोयाबीन का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा राज्य है। देश में मध्यप्रदेश ज्वार में प्रथम, तुअर में तथा अन्य दालों में द्वितीय, गेहूँ एवं चने में तृतीय और धान (चावल) में तीसरा स्थान रखता है। किंतु प्रतिव्यक्ति औसत उत्पादन में पंजाब और हरियाणा के पश्चात तृतीय है। सरसरी तौर पर देखा जाये तो यह निश्चित है कि खाद्यान्न उत्पादन के मामले में हमारा देश एक सीमा तक आत्मनिर्भर हो चुका है। आज स्थिति यह है कि गेहूँ, चीनी हमारे यहाँ गोदामों में ठसाठस भरे पड़े हैं, उनके सुरक्षित रखने की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में गन्ना का रिकार्ड उत्पादन होने के कारण कृषकों को औने पौने दाम पर अपनी उपज बेचने पर मजबूर होना पड़ा था। यही कारण था कि चालू वर्ष में अधिकतर कृषकों ने गन्ने की उपज के बजाय दूसरे खाद्यान्नों की फसले ली। रिकार्ड बना उत्पादन के कारण हमारे यहाँ अभी भरपूर मात्रा में चीनी का स्टाक है (परंतु फिर भी न जाने किस नीति के तहत चीनी का बाहरी देशों जैसे बांग्लादेश आदि से आयात किया गया।) पर उसका उचित समय पर उपयोग नहीं होने से कृषक जगत में गलत संदेश जाता है। इसकी व्यवस्था को खासा ध्यान देना चाहिये।

वर्तमान में पूरी दुनिया ये जान चुकी है कि भारत अब खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर एवं काफी तरक्की कर चुका है। पंजाब हरियाणा के कृषक तो अब बहुत आगे निकल चुके हैं। हमारे, गोदाम अब लबालब भरे पड़े रहते हैं। परंतु हमें यह देखकर निश्चिंत होने की कतई जरूरत नहीं है, हमें नित नए तकनीको को इस्तेमाल करने की जरूरत है जिससे के ऊपज और फसलें बढ़े, जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती रहें । साथ ही उत्पादकता भी बड़े यह तो तय है, कि हर आने वाला वर्ष अपने साथ बढ़ी हुई जनसंख्या को लेकर आएगा। तो इसके लिए हमें निश्चित तौर पर यह तैयारी करनी होगी कि हर पेट को अन्न मिले। और खाद्यान्न की किसी भी प्रकार की कमी ना होने पाएं। वह इसके साथ हमें इसके लिए भी चौकन्ना रहना है कि आज के हमारे भारत देश की लगभग एक सौ अड़तीस करोड़ की जनता के लिए हर पेट को भोजन

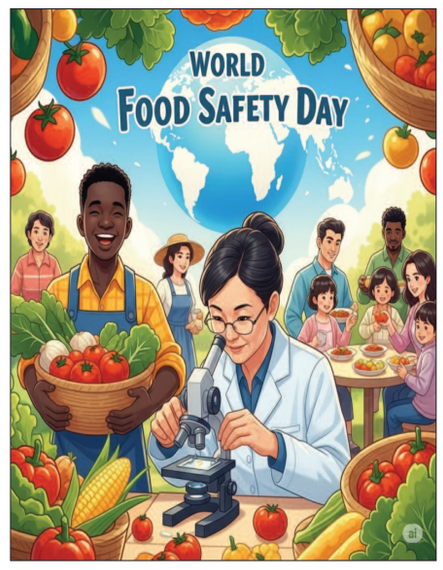

मिल सके और सब की पूर्ति हो सके। इसके लिए इतना अनाज जिसे शीतकेंद्रों, अनाज गोदामों व अनाज केंद्रों में रखने की वैसी ही सुदृढ़ व्यवस्था का होना अत्यंत ही आवश्यक है। इसके लिए भारत के हर राज्य में हर जगह हर स्थान में एक निश्चित योजना के अनुरूप बड़े-बड़े खाद्यान्न गोदामों की श्रृंखला विभिन्न राज्य सरकारें एवं केंद्र सरकार सुंदर योजना बनाकर तैयार किया जाना आवश्यक है। तभी तो हम करोड़ों मीट्रिक टन अनाजों को हम सुरक्षित और उपयोगी बनाकर रख सकेंगे। यह उतना ही आवश्यक तथ्य है, जितना कि अनाज का उत्पादन और उसकी सुरक्षाका ख्याल रखना उतना ही जरूरी है जितना कि उसका उत्पादन करना।

जनसंख्या : कैसे बने हमारे लिए वरदान

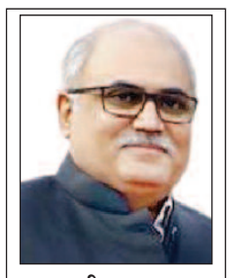

रजनीश कपूर

1.4 अरब से अधिक आबादी वाले देश भारत को दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश माना जाता है। यह जनसंख्या, विशेष रूप से इसकी युवा शक्ति, देश के लिए अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करती है, जिसे जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) के रूप में जाना जाता है। लेकिन यह लाभांश तभी प्राप्त किया जा सकता है जब इसे सही नीतियों, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सृजन के माध्यम से उपयोग किया जाए।

जनसांख्यिकीय लाभांश उस आर्थिक विकास की संभावना को दर्शाता है जो तब उत्पन्न होती है जब किसी देश की कार्यशील आयु (15-64 वर्ष) की संख्या, गैर-कार्यशील आयु (14 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक) की संख्या से अधिक होती है। भारत में 2020 तक औसत आयु 28 वर्ष थी, जो इसे विश्व के सबसे युवा देशों में से एक बनाती है। इसके विपरीत, चीन और विकसित देशों जैसे जापान, अमेरिका और पश्चिमी यूरोप में औसत आयु क्रमशः 37, 45 और 49 वर्ष है। युवा शक्ति देश की आर्थिक प्रगति को बढ़ावा दे सकती है बशर्ते इसे सही दिशा में उपयोग किया जाए। चीन ने 1980-90 के दशक में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश को प्रभावी ढंग से उपयोग करके आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर कदम रखा। चीन ने अपनी युवा जनसंख्या को शिक्षित और कुशल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया। आज चीन की साक्षरता दर 97प्र. है, जबकि भारत की 75प्र. है। चीन ने बड़े पैमाने पर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना और शहरीकरण ने लाखों लोगों को रोजगार प्रदान किया। यह भारत के लिए सबक है, जहां विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार वास्तव में घट रहा है। चीन ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी स्थिति मजबूत की और सस्ते श्रम के साथ उच्च उत्पादन क्षमता का लाभ उठाया। इससे न केवल आर्थिक विकास हुआ, बल्कि वैश्विक बाजार में चीन की हिस्सेदारी भी बढ़ी।

भारत की तुलना में जहां बुनियादी ढांचा अभी भी अपर्याप्त है, चीन का दृष्टिकोण अधिक प्रभावी रहा। भारत की विशाल और युवा संख्या कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जो इसे अभिशाप बनने की ओर ले जा सकती हैं। हर साल लगभग 12 मिलियन युवा भारतीय कार्यबल में शामिल होते हैं, लेकिन अर्थव्यवस्था 7 मिलियन नौकरियां ही पैदा कर पाती है। इससे बेरोजगारी और अल्परोजगार की की समस्या बढ़ रही है। भारत में 95प्र. इंजीनियरिंग स्नातक सॉफ्टवेयर विकास जैसे ज्ञान-आधारित रोजगार के लिए अनुपयुक्त हैं। तीन-चौथाई से अधिक स्नातकों को बुनियादी अंग्रेजी बोलने में कठिनाई होती है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ी बाधा है। भारत सरकार शिक्षा पर अपनी जीडीपी का 3प्र. और स्वास्थ्य पर 1.2प्र. खर्च करती है, जो चीन (5.5प्र.) और ब्राजील (9प्र.) जैसे देशों से काफी कम है। इससे मानव पूंजी का विकास बाधित होता है। भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समय पर उपलब्ध है। केरल की जनसंख्या वृद्ध हो रही है, जबकि बिहार में कार्यशील आयु की जनसंख्या 2051 तक बढ़ती रहेगी। भारत को प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में निवेश बढ़ाना चाहिए। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम जैसी पहल मजबूत करनी होंगी। उद्योग-अकादमिक सहयोग से आधुनिक नौकरियों की मांग के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जा सकती है। भारत को विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना होगा, जैसा चीन और पूर्वी एशियाई देशों ने किया। श्रम-गहन विनिर्माण को बढ़ावा देने से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होंगे। इसके लिए नीतिगत सुधार और व्यापार करने में आसानी पर ध्यान देना होगा। भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी दर हाल के वर्षों में घटी है। लचीली नीतियां जैसे ऑनलाइन प्रशिक्षण और घर से काम करने की सुविधा, महिलाओं को कार्यबल में शामिल करने में मदद कर सकती हैं। समान वेतन और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

भारत को सड़कों, रेलवे, और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। इससे न केवल रोजगार सृजन होगा, बल्कि विदेशी निवेश भी आकर्षित होगा। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उत्पादक कार्यबल सुनिश्चित करती हैं। हालांकि भारत में प्रजनन दर घट रही है, फिर भी परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने की जरूरत

है। शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से अवांछित प्रजनन को कम किया जा सकता है। यदि भारत इन क्षेत्रों में सही नीतियां लागू करता है तो उसकी जनसंख्या निश्चित रूप से वरदान बनेगी, न कि अभिशाप। भारत की विशाल और युवा संख्या ऐसी संपत्ति है जो इसे वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बना सकती है। समय की मांग है कि भारत अपनी जनसंख्यिकीय शक्ति को पहचानने और इसे आर्थिक-सामाजिक प्रगति के लिए उपयोग करे।

दूरगामी सोच का परिणाम है वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

जल है तो कल है कि चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण- जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देष के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश है जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान ही की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा मोटा अंतर नहीं है ऐसे में इसे भलीभांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रतिव्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी वह 2024 आते आते 1401 घनमीटर रह गई है और यदि विशेषज्ञों की माने तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर ही रह जाने की संभावना हो गई है। यही कारण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि हमें पानी के उपयोग के संदर्भ में कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनः चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में आज भारत 182 वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जुझ रहे हैं।

विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजन लाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगा है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है।

एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो उस झड़ी का पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ साथ ढ़लान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने के साथ ही पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरिज व सरकार गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं।

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है और स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की मुहिम पर रामगढ़ में श्रमदान में हिस्सा लेकर आमजन को संदेश दिया है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण के हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड़ की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्त्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्त्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं।

शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े पर पैसा कमाने का लालच हमारें आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे अवेयरनेस तो आयेगी ही जनभागीदारी भी बढेगी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुनः उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुनःचक्रिकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हांलाकि पानी के पुनःचक्रिकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा। भूजल के संग्रहण और भूजल के दोहन के बीच समन्वय बनाना होगा नहीं तो आने वाला समय बहुत अधिक चिंतनीय और गंभीर होगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। सही मायने में कहा जाए तो वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान सरकार की दूरगामी सोच का जनहितेषी कार्यक्रम माना जाना चाहिए क्योंकि सरकार की समझ और गंभीरता को इसीसे से समझा जा सकता है कि कार्यक्रम को आमजन से जोड़ने के लिए ही जनअभियान नाम दिया गया है।

इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।

जनपद में गरीब लोगों के लिए वरदान बनी :- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स

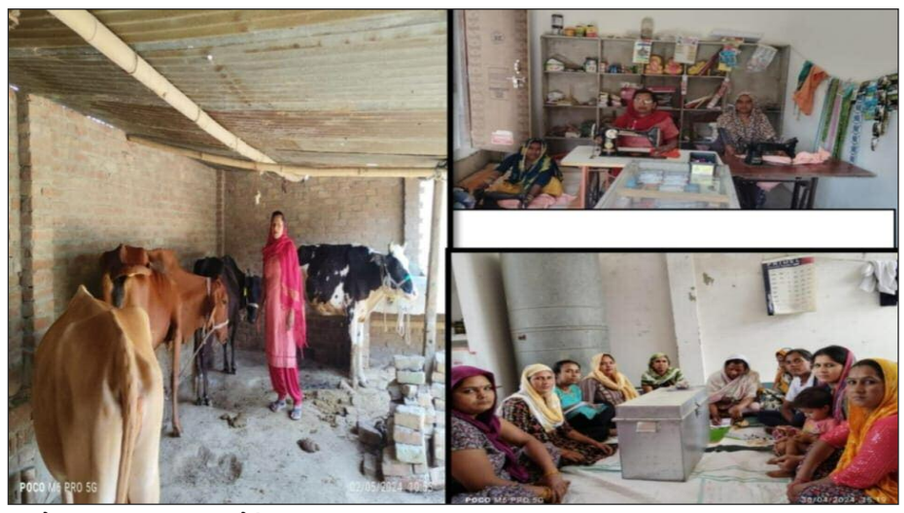

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स जिले में रहने वाले गरीब लोगों के लिए वरदान बन चुकी है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के सार्थक प्रयासों से सरकार की सभी योजनाओं का लाभ गरीब लोगों को मिल रहा है। जहां सभी गरीब लोग सरकार की योजना का लाभ ले रहे है। इसके बाद स्वयं रोजगार करने वालों ने जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और प्रदेश सरकार का धन्यवाद किया हैं। इस दौरान विभाग के मुखिया परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा अमरोहा जिले में मेहनत और लगन के साथ कार्य किया जा रहा है। जो ना केवल क्षेत्र में विकास कार्य कर रहे हैं, बल्कि सरकार की योजनाओं को भी गरीब लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह के कड़े प्रयासों के बाद ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह की महिलाएं अपना स्वयं का रोजगार करके अपना ओर अपने परिवार का पालन पोषण कर रही है। अमरोहा जिले में बड़े पैमाने पर अमरोहा जिले के सभी विकास खंडों में समूह की महिलाएं तरह-तरह के रोजगार और व्यापार को बढ़ावा दे रही हैं। इस दौरान परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत सरकड़ी अजीज में कार्तिक स्वयं सहायता समूह की सदस्य उषा रानी के द्वारा कॉस्मेटिक दुकान समोसा की सिलाई पशुपालन का

कार्य किया जा रहा है। इस दौरान सदस्य उषा देवी ने बताया कि समूह में जोड़ने से पहले उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी उनके पति जो कमाता था। उस घर का खर्चा नहीं चल पाता था। वही परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने से बच्चों की पढ़ाई लिखाई भी प्रभावित हो रही थी। समूह से जुड़ने के बाद उषा देवी ने बताया कि ब्लॉक में कुछ अधिकारी समूह की बैठक करने आए थे। तो मुझे भी एक बैठक की जानकारी मिली तो मैं उसे बैठक में गई बैठक में जानकारी मिली, उसे सुनने के बाद मैंने भी अपना मन समूह से लगा लिया। इसके बाद उन्होंने समूह बनाने के लिए 10 सदस्य जोड़े और रीमा देवी इटट को बुलाकर समूह की बैठक कराई। इसके बाद समूह का गठन हुआ। हम लगातार अपनी बचत जमा करने में लगे। दिनांक 7 जनवरी 2022 को हमारे समूह में आर एफ ड्ड15000 आए, समूह में जुड़े होने के कारण मैंने फ्छळ से सिलाई की ट्रेनिंग ली। और मैंने आर एफ ड्ड8000 लिए। इसके बाद उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और फिर धीरे-धीरे कपड़े सिलने और लड़कियों को सिलाई सीखनी शुरू कर दी। शुरू कर दी लाख 50000 का लोन कराया, उसमें से 50000 रुपए लेकर दो गाय और खरीदी। उषा देवी ने बताया कि 10 से 15 किलो दूध रोजाना भेजती है। जिससे अच्छी आमदनी होती है। दूध बेचकर कॉस्मेटिक दुकान सिलाई और समूह सखी के काम में मासिक आय ड्ड30000 हो जाती है। अपनी आय के अनुसार किस्तों के द्वारा समूह का पैसा भी वापस कर रही है उषा देवी ने बताया कि आज मैं अपने पति की सहायता कर पढ़ाती हूं और अपने बच्चों को भी अच्छी शिक्षा दे रही हूं। विकासखंड धनौरा में ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत हैबतपुर चौधरिया में आशा की किरण स्वयं सहायता समूह की सदस्य पूनम दीदी कैंटीन संचालक एवं सिलाई का कार्य करतीहैं। जिनकी औसत वार्षिक आय 5 लाख रुपए है। पूनम ने बताया है कि उन्हें समूह का गठन उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चार वर्ष पूर्व किया गया था। समूह में जोड़ने के बाद पूनम ने सिलाई कार्य करना शुरू किया। उससे उनका ड्ड300 से ड्ड400 तक की आमदनी प्रतिदिन होने लगी। इसके बाद पूनम ने अपने साथ समूह की अन्य महिलाओं को साथ लेकर सीआईएफ की धनराशि प्राप्त करके आवश्यक सामग्री एवं उपकरण खरीद कर ब्लॉक परिसर में कैंटीन संचालक का कार्य करना शुरू कर दिया है। पूनम ने विकास खंड में आने वाले लोगों को शुद्ध भोजन उपलब्ध कराकर लोकप्रियता हासिल की है। पूनम ने कैंटीन संचालक के साथ घर पर जाकर सिलाई कार्य भी करती है। जिससे उनकी सभी स्त्रोतों में कुल वार्षिक आय 5 लाख रुपए हो जाती है। वही विकासखंड हसनपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत ताहरपुर में लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की सदस्य सुमन देवी ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मुर्गी पालन किया है। जिनकी औसत वार्षिक आय 240000 है। सुमन देवी ने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले एक समय ऐसा था जब सुमन देवी का अधिकतर समय घर की चौखट के अंदर गुजरा था पति की आय पर निर्भर रहती थी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी आर्थिक तंगी ने इन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया क्योंकि उनके मन में आत्मनिर्भर बनने की चाहत थी। इसके बाद इन्होंने एन आर एल एम के जरिए एक समूह लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह का गठन किया और आजीविका संबंधित जानकारी ली। लक्ष्मी समूह के अध्यक्ष ने बताया कि लक्ष्मी समूह का गठन 30 अप्रैल 2021 को हुआ था जिसमें 26 जनवरी 2022 को रिवाल्विंग फंड के ड्ड15000 प्राप्त हुआ था। और दिनांक 29 जनवरी 2022 को सीआईएफ की धनराशि 110000 भी प्राप्त हो गई इस समूह को कैसे क्रेडिट लिख इसके रूप में एक लाख की स्वीकृति भी मिल गई जिससे सुमन देवी ने वर्ष 2022 में 40 पेटियां खरीद कर मधुमक्खी पालन का कार्य शुरू किया था। जिसके बाद में काम बढ़कर आसपास के क्षेत्र में मधुमक्खी पालन के लिए पत्तियां रखवानी शुरू कर दी। शहर बेचकर इन्होंने 10000 से ड्ड12000 प्रति महीना आमदनी इसके साथ ही वर्ष 2023 में 3000 मुर्गी बच्चे खरीद कर मुर्गी पालन का कार्य भी शुरू किया मुर्गी पालन के कार्य शुरू करके अधिक तरक्की मिली जिससे वह 20000 से 25000 प्रति महीना आमदनी कर रही हैं। वही विकासखंड गजरौला क्षेत्र की ग्राम पंचायत अहरौला तेजवन में कृष्ण स्वयं सहायता समूह की सदस्य रीना ने दूध की डेरी का संचालन किया। जिसमें उनकी वार्षिक आय 5 लाख रुपए है। वही रीना कृष्ण स्वयं सहायता समूह से जो न केवल कामयाबी हैं। बल्कि नए आत्म विश्वास से भरी अपनी अलग पहचान की अपनी इबादत भी लिख रही हैं। उन्होंने बताया है कि उसमें पहले तक यह की महिला गांव में घर-घर जाकर दो दिखाता करती थी अब रीना ने खुद की दूध की देरी खोली है। स्वयं सहायता समूह की बदौलत अब इनका जीवन पहले जैसा नहीं रहा अब अपने परिवार का खर्च खुद ही चलते हैं रीना अब समूह की बैठक करके अधिक से अधिक महिलाओं को आजीवी का गतिविधियों से जोड़ने का कार्य करती है। रीना की वार्षिक आय 4 से 5 लाख रुपए के आसपास हो जाती है। साथी विकासखंड गंगेश्वरी क्षेत्र की ग्राम पंचायत आदमपुर में नई ज्योति स्वयं सहायता समूह की सदस्य योगेश देवी ने आजीविका के अंतर्गत ब्यूटी पार्लर कॉस्मेटिक शॉप सिलाई कार्य का संचालन किया है। जिसमें उनकी वार्षिक आय 300000 लाख रूपए है। योगेश देवी ने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले मेरी आर्थिक और सामाजिक स्थिति ज्यादा ठीक नहीं थी पति के पास कोई नौकरी भी नहीं थी इनकम का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था घर का खर्चा चलाना बहुत मुश्किल था। योगेश देवी ने बताया कि बदायूं से चार-पांच महिलाएं हमारे गांव में आई थी उनके द्वारा ही मुझको पता चला कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ना चाहिए और उसके बाद में समूह से जुड़ी। और मेरे समूह की महिलाओं ने मेरी बहुत सहायता की। और बैंक से सीसीएल कराई। जिससे कि मेरी सामाजिक और आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है।

श्री झारखंडी महादेव सेवक संघ के सौजन्य से शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- इंद्राचौक पर गंगा दशहरा एवं निर्जला एकादशी के अवसर पर श्री झारखंडी महादेव सेवक संघ के सौजन्य से चतुर्थ शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिससे आने जाने वाले राहगीरों को तपती धूप और बदहाल गर्मी से राहत मिली। आपको बता दें कि शुक्रवार को गजरौला के इन्द्राचौक पर गंगा दशहरा एवं निर्जला एकादशी के अवसर पर झारखंडी महादेव सेवक संघ के द्वारा चौथे सरवत वितरण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें संघ के सभी सदस्यों ने मिलकर सहयोग दिया और इंदिरा चौक से गुजरने वाले हर एक व्यक्ति

को शरबत वितरण किया।इसके बारे में जानकारी देते हुए संघ के सदस्य अभिनव गोयल ने बताया कि हमारे संघ में करीब 60 सदस्य जुड़े हुए हैं जो गर्मियों के दिनों में हर वर्ष इन्द्राचौक पर शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन कराते हैं।इस बार भी हमने इंदिरा चौक पर सरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन कराया है और आगे भी संघ के सभी सदस्यों के सहयोग से इसी प्रकार हम लोगों की सेवा करते रहेंगे।

जूट के थैले बांटकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, हसनपुर शाखा ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। शाखा प्रबंधक विनीत कुमार ने उपस्थित लोगों को जूट के थैले वितरित किए और उनसे पर्यावरण की रक्षा करने का आग्रह किया। इस पहल का उद्देश्य प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और इको फ्रैंडली विकल्पों को बढ़ावा देना था।

शाखा प्रबंधक विनीत कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे छोटे-छोटे बदलाव भी पर्यावरण पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव डाल सकते

हैं। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के गंगेश्वरी ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, समाजसेवी नवाब सैफी, हरिओम गुप्ता, राजकुमार, जितेंद्रपाल,अंकित जोशी,उत्तम मिश्रा, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने बैंक के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की उम्मीद जताई।

दहेज मुकदमे के एक अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

गजरौला (सब का सपना):- पुलिस ने दहेज के मामले में आरोपी एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया है।बता दें कि बीती 03/04/2025 को गांव हासमपुर पखरोला थाना गजरौला जिला अमरोहा निवासी शाहमा पुत्री शाहिद को अभियुक्त द्वारा

शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपए व एक कार की मांग पूरी न होने पर वादिनी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने के संबंध में एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ था। जिसके आधार पर मुकदमे की संबंधित धाराओं में एक अज्ञात व्यक्ति सहित 6 लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें गजरौला पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया गया है

अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप ने संभाला चार्ज, गिनाई सरकार की प्राथमिकता

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद में अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप ने 20 जून 2025 को चार्ज ग्रहण कर लिया है। इसके बाद उन्होंने चार्ज लेते ही जनता के हित में कार्य करना शुरू कर दिया है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप उससे पहले प्रदेश के जिला फतेहपुर में न्यायिक के पद पर 3 साल से अपनी सेवाएं दे रहे थे। उसके बाद शासन के निर्देश पर उनका तबादला जिला फतेहपुर से अमरोहा में अपर जिला अधिकारी न्यायिक के पद पर हुआ। इस दौरान उन्होंने बताया है कि उससे पहले वह जिला इलाहाबाद में 2014 से 2015 तक कार्य किया था। इसके बाद मई 2016 में जिला गाजीपुर रहे। इसके बाद उन्हें फिर से मई 2017 को इलाहाबाद भेजा गया। वही मई 2017 से फरवरी 2019 तक जिला ललितपुर में रहकर कार्य किया। और वही फरवरी 2019 से जिला झांसी रहे। और 2019 के

बाद उनका तबादला जिला झांसी से जिला फतेहपुर के लिए हुआ। इसके बाद उन्होंने जिला फतेहपुर में 3 साल रहकर कार्य किया। वहीं शासन के निर्देश पर उनका तबादला जिला फतेहपुर से जिला अमरोहा के लिए हुआ। वही अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप ने 20 जून 25 को चार्ज ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कहा है कि शासन की प्राथमिकता ही हमारी प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा है की शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को जनता के बीच धरातल पर लाने का कार्य किया जाएगा। साथ ही जनता की समस्याओं को समय से समाधान करना है। इसी के साथ उन्होंने सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर कार्य करना शुरू कर दिया है। वही एडीएम साहब समय से अपने ऑफिस पहुंचकर जनता की समस्याओं का समाधान करने में जुट गए।

मोबाइल, लैपटॉप से कुछ समय दूर रहकर लगाएं ध्यान

रमाबाई महाविद्यालय में डिजिटल डिटॉक्स योग कार्यक्रम का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के रमाबाई अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में डिजिटल डिटॉक्स योग कार्यक्रम एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ डिजिटल डिटॉक्स योग सत्र से हुआ, जिसमें प्रशिक्षक डॉ.अजय कुमार ने विद्यार्थियों को डिजिटल यंत्रों की निरंतरता से उत्पन्न मानसिक दबाव से मुक्ति पाने के उपाय सुझाए। उन्होंने कहा कि जब शरीर थकता है तो नींद चाहिए होती है, पर जब मन थकता है, तब ध्यान आवश्यक होता है। उन्होंने सभी को मोबाइल, लैपटॉप आदि से कुछ समय दूर रहकर ध्यान और मौन साधना की आदत अपनाने का संदेश दिया। इसके पश्चात डॉ. नेहा अग्रवाल ने डिजिटल फास्टिंग की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों से कम-

से-कम एक दिन बिना फोन के बिताने का आग्रह किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.श्वेता अग्रवाल के संयोजन में संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसकी थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना रही। कहा, कि यदि पृथ्वी हरी भरी रहेगी तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। हर पौध एक सांस है और हर सांस जीवन है। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि आशा, शांति और जीवन का संदेश भी देते हैं। प्राचार्य प्रो0महबूब अली गौरी ने कहा कि, योग केवल शरीर की कसरत नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि का मार्ग है। इस मौके विद्यार्थियों में हर्ष, श्रेया सिंह तोमर, इशिका, मानसी, दक्षराज के साथ महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब बबराला में गंगा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया...

बबराला/संभल (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब बबराला गंगा द्वारा भानु आई केयर सेंटर बबराला पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया ' इस अवसर पर नगर के मशहूर चिकित्स्क डॉ कैलाश वार्ष्णेय ने पर्यावरम के प्रति जागरूक किया ' पर्यावरण है तो हम हैं और अगर पर्यावरण सुरक्षित नहीं होगा तो हम भी चैन की सांस नहीं ले पाएंगे. पर्यावरण के इसी महत्व से सभी को अवगत कराने के लिए हर साल 5 जून के दिन विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है. इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कराना है. सरकारें चाहे जितनी भी कोशिश कर लें लेकिन अगर लोग अपने स्तर पर पर्यावरण को बचाने के लिए कदम नहीं उठाएंगे तो पर्यावरण संरक्षण नहीं हो पाएगा. सरकार कूड़ा हटा सकती है लेकिन कूड़ा फैलाने वाले जब तक नहीं रुकेंगे तब तक कूड़े का ढेर लगता रहेगा. पानी की खपत, बिजली का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल, प्लास्टिक का इस्तेमाल, पेड़ों की कटाई और प्रदूषण (Pollution) पर्यावरण को क्षति पहुंचाते हैं. ऐसे में बच्चों से लेकर बड़ों तक को पर्यावरण संरक्षण का महत्व पता होना जरूरी है जिससे धरती को साफ रखा जा सके, सुरक्षित रखा जा सके ' इस अवसर पर डॉ कैलाश वार्ष्णेय डॉ सुधींद्र कुमार डॉ रिजवान अहमद डॉ राहुल यादव एड चिंताहरण सिंह संदीप गुप्ता डिंपल वार्ष्णेय अनिल गुप्ता सहित सभी स्टाफ मौजूद रहा '

कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत सभी ब्लॉक में लगेंगे शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत शिविरों के माध्यम से कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण ट्राईसाईकिल, वैसाखी, ब्हीलचेयर एवं कान की मशीन, एम0आर0 किट, स्मार्ट केन, हाथ की कोहनी या कंधा से हाथ कटने पर कृत्रिम हाथ एवं पैर के घुटने या जांग से पैर कटने पर कृत्रिम पैर, पैरों में पोलियो होने पर कैलीपर, हेतु लाभार्थियों का चिन्हाकंन शिविर आयोजित किया जाएगा। कैम्प आयोजन 09 जून 2025 से 11 जून 2025 (प्रातः11% 00बजे सोमवार मंगलवार बुधवार विकास खण्ड गंगेश्वरी। संबंधित खण्ड विकास अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण/ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण12 जून 2025 से 14 जून 2025 (प्रातः11:00बजे गुरूवार शुक्रवार शनिवार विकास खण्ड हसनपुर। संबंधित खण्ड विकास अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण/ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण 16 जून 2025 से 18 जून 2025 (प्रातः11.00) बज सोमवार मंगलवार बुधवार विकास खण्ड धनौरा। संबंधित खण्ड विकास अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण 19 जून 2025 से 21 जून 2025 (प्रातः11.00)बजे गुरूवार शुक्रवार शनिवार विकास खण्ड गजरौला संबंधित खण्ड विकास अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण/ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण 23 जून 2025 से 25 जून 2025 (प्रातः11:00)बजे सोमवार मंगलवार बुधवार विकास खण्ड अमरोहा। संबंधित खण्ड विकास अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण/ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण 26 जून 2025 से 28 जून 2025 (प्रातः11:00) बजे बृहस्पतिवार शुक्रवार शनिवार विकास खण्ड जोया। संबंधित खण्ड विकास अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण/ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण। उक्त चिन्हाकंन शिविर आयोजन स्थल पर दिव्यांगजन निम्नलिखित प्रमाण पत्र मूल रूप में एवं छायाप्रति(फोटोस्टेट) साथ लायें। दिव्यांग प्रमाण पत्र। दो पासपोर्ट साइज के फोटो । आय प्रमाण पत्र (तहसील द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र) जिनकी आय गरीबी की रेखा (वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में रू0 46080/- तथा शहरी क्षेत्रों में रू0 56460/-प्रति परिवार प्रतिवर्ष निर्धारित है। इसके अतिरिक्त आय प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान का भी मान्य होगा। निवास करने की अवधि का राजपत्रित/ग्राम प्रधान का प्रमाण पत्र। अनूसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की स्थिति में जाति प्रमाण पत्र। 6- आधार कार्ड एवं मोबाईल नम्बर। अधिक से अधिक दिव्यांगजन उक्त शिविरों में उपस्थित होकर उक्त योजना का लाभ उठायें। उक्त शिविरों में प्राप्त आवेदन पत्रों को सूचीबद्ध/रजिस्टर में अंकित कर आवेदकों को ह्यह्यप्रथम आवक तथा प्रथम पावक के सिद्धान्त के आधार पर कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण उपलब्ध कराये जायेंगे। सहायक उपकरण वितरण किये जाने की सूचना अलग से दी जायेगी। विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:- कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, कक्ष संख्या-18 विकास भवन, जनपद-अमरोहा। कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण हेतु वेबसाइट http://divyangjanup .upsdc. gov.in/ पर भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

गाँव की समस्या,गाँव में समाधान जन चौपाल का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- विकासखंड असमोली के ग्राम सैंधरी तेलीपुरा में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में जन चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया तथा विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। समाज कल्याण विभाग के संबंधित अधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया। पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अवधेश द्वारा पशुपालन विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में बताया ।उन्होंने पशुओं के लिए संचालित एम्बुलेंस सुविधा के विषय में भी जानकारी दी तथा उन्होंने बताया यह एम्बुलेंस घर पर ही जाकर पशुओं का इलाज करती है।उन्होंने विभाग के टोल फ्री नंबर 1962 के विषय में भी बताया कि इसके मिलाने का 30 मिनट से 40 मिनट के बीच पशुओं के लिए स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जाती है।पशुओं के बीमा के विषय में भी बताया तथा उन्होंने कहा कि 31 मई से 31 जुलाई तक पशुओं में गलघोटू के टीकाकरण किया जा रहा है। कृत्रिम गभार्धान, मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के विषय में भी बताया गया।भेड़, बकरी एवं मुर्गा पालन के विषय में भी जानकारी दी गयी।कृषि विभाग के एडीओ द्वारा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा कृषि यंत्रीकरण आदि के विषय मे बताया । स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत एम्बुलेंस सेवा 102,108 तथा जननी सुरक्षा योजना आदि के विषय में बताया गया।डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार ने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में बताया।श्रम प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार शर्मा द्वारा श्रम विभाग की प्रमुख योजनाओं के विषय में बताया।जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने जल के महत्व एवं जल को बचाने का सदेश दिया तथा उन्होंने जल संचयन के लिए ग्रामीणों को ट्रेंच एवं छोटे गड्ढा बनवाने के लिए जागरूक किया ताकि बरसात के दिनों में पानी को संरक्षित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि जनपद में जिलाधिकारी के प्रयासों से विद्यालयों की दशा बहुत ही अच्छी हुई हैं तथा पीएम श्री विद्यालय मॉडल स्कूलों के भांति तैयार हुए हैं । मुख्य विकास अधिकारी ने कहा की अब जिम्मेदारी अभिभावकों की है कि वह अपने बच्चों को विश्वास करके परिषदीय विद्यालय में भेजें। इन विद्यालयों में उच्च शिक्षित शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है विशेषकर पीएम श्री विद्यालयों में बच्चों को मानक के अनुसार गुणवत्ता पूर्ण सुविधाएं दी जा रही है। मुख्य विकास अधिकारी ने महिलाओं के चार एएनसी जांच हाइपरटेंशन एवं डायबिटीज की जाचं एवं टीकाकरण आदि पर चर्चा की।अपर जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण तथा अन्य योजनाओं के विषय में ग्रामीणों को बताया तथा उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के कचरा वाहन ग्रामीण परिवारों के यहाँ से कचरा उठान करते हैं जिसमें एक रुपए प्रति दिन सेवा शुल्क लगेगा। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा द्वारा गर्भवती धात्रियों की गोद भराई एवं बच्चों को अन्न प्राशन कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र सैंधरी तेलीपुरा के प्राथमिक विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण भी किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार तथा सहायक श्रम आयुक्त सुरेन्द्र कुमार,अपर जिला पचायती राज अधिकारी चितेन्द्र पाल सिंह,सीडीपीओ रचना यादव, खंड विकास अधिकारी असमोली रिजवान हुसैन एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जन चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्या

अधिकारी ग्राम वासियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण: अभिषेक पांडेय

हापुड़ (सब का सपना) :- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में ग्राम मुरादपुर के ग्राम प्रधान के द्वारा जन चौपाल का आयोजन किया गया। जन चौपाल में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा ग्राम वासियों को दी गई। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों से गांव की समस्याएं सुनी तथा मौके पर संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा उनका निस्तारण कराया गया तथा जो समस्याएं लंबित रह गई हैं उनका जल्द से जल्द प्राथमिकता पर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जन चौपाल में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेरे द्वारा पुणे उक्त ग्राम का निरीक्षण किया जाएगा निरीक्षण के दौरान आज जांचोपाल में जो भी समस्याएं ग्रामीणों द्वारा रखी गई है यदि उनका निस्तारण मेरे निरीक्षण के दौरान भी नहीं लंबित पाया गया तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जन चौपाल के दौरान ग्राम वासियों द्वारा विभिन्न समस्याएं जैसे पानी की उपलब्धता, बिजली की समस्या, शौचालय की साफ सफाई, स्कूल के ऊपर से विद्युत की लाइन, श्मशान घाट, कब्रिस्तान, पानी का भराव तथा पानी के निकासी की समस्या आदि के बारे में ग्रामीणों द्वारा जिला अधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए स्कूल के ऊपर से जा रही 11 हजार वोल्टेज की लाइन को स्थानांतर करने के लिए संबंधित अधिकारी को अपने राइफल खाते सेड्ड40000 की धनराशि दिए जाने का प्रस्ताव दिया। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी गढ़मुक्तेश्वर को निर्देश दिए कि गंगा एक्सप्रेसवे में जिन किसानों की जमीन गई है तथा जिनको अभी तक मुआवजा नहीं मिल पाया है उन किसानों को मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने लेखपाल को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव में सरकारी जमीन की जांच करते हुए किसी एक स्थान को खेल के मैदान हेतु आरक्षित करना सुनिश्चित करें जिससे उसे जमीन का प्रयोग ग्राम वासियों के लिए खेल का मैदान तैयार कराया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की गांव में शमशान घाट एवं कब्रिस्तान पर जो भी अवैध कब्जा हो रहा है उसकी जांच कर उसको कब्जा मुक्त करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा ग्राम प्रधान को निर्देश देते हुए कहा एएनएम तथा आशाओं से समन्वय में बनाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के टीकाकरण हेतु अभियान चलाया जाए। उन्होंने ग्राम में कुपोषित व अति कुपोषित बच्चों को पोषित की श्रेणी में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम सचिव तथा ग्राम प्रधान को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव में नाली व तालाब की साफ सफाई की व्यवस्था समय-समय पर की जानी चाहिए ' जन चौपाल के दौरान उप जिलाधिकारी , जिला विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी सिम्भावली सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अहिरवां में 50 बीघा की अवैध प्लाटिंग पर चला बैकहो लोडर, विरोध करने वालों को पुलिस ने खदेड़ा

कानपुर। केडीए के दस्ते ने अहिरवां और सजारी में बिना लेआउट के 50 बीघा जमीन पर हो रही अवैध प्लाटिंग पर बैकहो लोडर चलवा दिया। विरोध करने वालों को पुलिस ने खदेड़ दिया। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के आदेश पर जोन चार के प्रवर्तन प्रभारी संदीप मोदनवाल और अतुल राय की अगुवाई में दस्ता ग्राम अहिरवां और सजारी पहुंचा। यहां आराजी संख्या-1671, 1672, 1673, 1707, 1715, 1716, 1717, 1720, 1416, 1428, 1456, 1442 1585, 1586, 1645, 1568 1582, 1584, 1588 पर चल रही अवैध प्लाटिंग ढहाई गई। इस दौरान सहायक अभियंता प्रवीन शर्मा भी मौजूद रहे। नौबस्ता, गंगा बैराज से मंधना, न्यू शिवली रोड, मेहरबान सिंह का पुरवा समेत कई इलाकों में बिना लेआउट के प्लाटिंग हो रही है। उपाध्यक्ष ने आदेश दिए हैं कि अवैध प्लाटिंग व अवैध निमार्णों पर अंकुश लगाया जाए। रोक के बाद भी पुराने सुपरवाइजर क्षेत्र में जा रहे हैं तो उनको चिह्नित करके कार्रवाई की जाए। कई सुपरवाइजरों की जांच शुरू हो गई है। एल्डिको टाउनशिप एंड हाउसिंग लिमिटेड जवाहरपुरम में बसी योजना में ईडब्ल्यूएस के 56 फ्लैट चिह्नित हुए है। केडीए के विशेष कार्याधिकारी रवि प्रताप सिंह ने बताया कि इसके लिए 172 लोगों ने आवेदन किया है। इसकी लाटरी कराने की तैयारी है।

भाकियू शंकर का भृष्टाचार व किसान समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट पर विशाल प्रदर्शन

हजारों की संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने शुक्रवार को भृष्टाचार व किसान समस्याओं को लेकर अमरोहा कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना-प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की , वहीं संगठन से जुड़े हजारों कार्यकर्ता व किसान इस धरने प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को सम्बोधित मांगपत्र भी सौंपा गया। दोपहर 11:00 बजे से अमरोहा कलेक्ट्रेट पर आयोजित इस धरना- प्रदर्शन की अध्यक्षता चौधरी धर्मवीर सिंह व इसका संचालन प्रदेश प्रवक्ता प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह ने किया।भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनपद के गठन हुए 28 वर्ष बीत जाने के बाद भी जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन नहीं हो पाया है,नवीन जनपद अमरोहा के गठन का उद्देश्य जनपद के नागरिकों को बेहतर आर्थिक सुविधाएं देना व उनका अधिक से अधिक विकास करना है, इसके लिएं जिला सहकारी बैंक अमरोहा का गठन करते हुए इसका मुख्यालय भी अमरोहा शहर में ही स्थापित किया जाए। भृष्टाचार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस भृष्टाचार रूपी दीमक द्वारा सभी सरकार योजनाओं को खाने का काम किया जा रहा है। राजस्थान के अजमेर में इफ्को जैसी सरकारी संस्था में बहुत बड़े स्तर पर हो रहे भृष्टाचार ने सबको चौंका दिया है,यहां पर उर्वरक समेत महंगे पेस्टिसाइड नकली पाए गए हैं, जोकि देश भर के करोड़ों किसानों के साथ में बहुत बड़ा धोखा है, इस तरह के उर्वरकों ओर दवाइयों के प्रयोग करने से किसान और उसकी जमीन दोनों बर्बाद हो जाएंगे, सभी तरह के उर्वरकों व पेस्टिसाइड की सेम्पलिंग कराई जानी चाहिए ओर इस मामले में जो भी दोषी लोग हैं उन पर सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए। विधुत विभाग द्वारा भी किसानों का हर तरह से शोषण किया जा रहा है जिसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषि फीडर की सप्लाई को 10 घण्टे निर्बाध आपूर्ति देनी चाहिए, इसके साथ विधुत बिलों में किये जा रहे गोलमाल को भी तत्काल बंद किया जाना चाहिए। जनपद के चक्कालीलेट गांव में बनाये जाने वाले कंटेनर डिपो के मामले में किसानों को कम से कम 32 लाख प्रति बीघा मुआवजा व जिन किसानों की जमीन इस योजना में जा रही है,उस परिवार से एक व्यक्ति को उसकी योग्यतानुसार नौकरी दी जानी चाहिए। प्रदेश में टीईटी पास शिक्षामित्रों को नियमित शिक्षक का दर्जा देते हुए उन्हें 40 हजार प्रतिमाह वेतन दिया जाए, देश के सभी किसानों को केसीसी के लिएं खाता लाइफटाइम दिया जाए, इसके साथ ही किसान को किसी भी बैंक में अपना खाता पोर्ट करने की आजादी दी जानी चाहिए। जनपद की वेव शुगर मिल द्वारा किसानों व अपने कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है,किसानों का अरबों रुपये मिल दबाए बैठी है,किसानों की एक पर्ची पर 60 किलो गन्ने की कटौती की जाती है इसे बंद किया जाना चाहिए। ओवरलोड वाहनों के चलते जनपद के राष्ट्रीय राजमार्ग-स्टेट हाईवे व ग्रामीण सड़कें क्षतिग्रस्त हो रहे हैं,अवैध डग्गामार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं इसका भी समाधान किया जाए। किसानों की खौतौनी में दर्ज हुई त्रुटियों को सही कराया जाए , इसके साथ ही आधार कार्ड संसोधन केंद्रों पर चल रही अवैध उगाह बंद की जाए। तिगरी से ब्रजघाट तक गंगा रिवर फ्रंट बनाते हुए इसे पर्यटक स्थल घोषित किया जाए , गंगा को प्रदूषित होने से बचाने के लिएं विधुत शवदाह गृह का निर्माण भी नितांत आवश्यक है।

इस दौरान मौके पर संबंधित विभागों के विभाग अध्यक्ष जिला गन्ना अधिकारी, अधिशासी अभियंता, नोडल उपसंचालक चकबंदी गन्ना निरीक्षक नोडल अधिकारी जिला सहकारी बैंक अमरोहा, संभागीय परिवहन अधिकारी अमरोहा, वन क्षेत्राधिकारी अधिकारी अमरोहा, सहायक अभियंता पब्लिक वर्क्स डिपार्मेंट अमरोहा, कृषि रक्षा अधिकारी अमरोहा, उपनिदेशक कृषि ने धरना स्थल पर पहुंचकर किसानों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण किया। धरना- प्रदर्शन में नेमपाल सिंह, प्रधान हरि सिंह ,शेर सिंह राणा, साबिर सैफी, जगत सिंह चौहान, सतवीर सिंह, डॉक्टर योगेंद्र सिंह खड़कवंशी, विक्रम गुर्जर, जयवीर गुर्जर ,राकेश चौहान, सत्येंद्र सिंह, चंद्रपाल सिंह, खेमपाल सिंह, सरदार हरप्रीत, कैप्टन वीर सिंह चौहान, सुंदर सिंह, सुभाष यादव, नरेश गुर्जर, रामनिवास गुर्जर, मोनू चौधरी, संजीव कुमार, राजपाल सैनी ,रवि पाल सिंह, प्रधान जगपाल सिंह, प्रदीप चौधरी, रवि सैनी ,वीणा सैनी, मुकेश गर्ग, अनिल भटनागर, सीमा देवी, विद्या देवी, जरीना, अशोक चौधरी, बबीता रानी ,पूनम चौधरी, मंजू ,जागेश देवी, एकता कुमारी, रश्मि चौधरी, सचिन कुमार, मयंक चौधरी, प्रीत सिद्धू, नरेश, पप्पू, राजपाल चौहान, नसीम प्रधान, धर्मेंद्र ,चौक लाल सैनी, लोटन सिंह ,चोखेलाल सैनी, उमेश चौधरी, केशव सैनी, भजन लाल सैनी, सानू चौधरी ,सत्य प्रकाश सैनी, व डॉक्टर महेंद्र पाल समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व किसान मौजूद रहे।

कहां रहेंगी दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता? यह होगा नया पता; पीडब्ल्यूडी विभाग ने दिया बड़ा अपडेट

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को सिविल लाइंस के राजनिवास मार्ग पर सरकारी आवास आवंटित किया गया है। दो बंगलों को मिलाकर आवास बनाया जाएगा जिसमें उनका कैंप कार्यालय भी होगा। लोक निर्माण विभाग ने मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का सरकारी आवास सिविल लाइंस के राजनिवास मार्ग पर होगा। इस मार्ग पर स्थित बंगला नंबर 1/8 व 2/8 को मिलाकर मुख्यमंत्री आवास बनाया जाएगा। इसी में इनका कैंप कार्यालय भी होगा। विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट इनके पड़ोसी होंगे। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसकी मरम्मत की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजनिवास मार्ग स्थित प्लाट नंबर आठ में कुल चार बंगले हैं। बंगला नंबर 1 का उपयोग उपराज्यपाल सचिवालय के लिए होता था जिसे अब खाली किया जा रहा है। बंगला नंबर 2 पहले विधानसभा में मुख्य सचेतक अभय वर्मा को आवंटित किया गया था। अब इन दोनों को मुख्यमंत्री आवास के लिए आवंटित कर दिया गया है। एक में मुख्यमंत्री रहेंगी और दूसरे में कैंप कार्यालय होगा। बंगला नंबर3 व 4 विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट व दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र सिंह इंद्राज को आवंटित है। पदभार संभालने के 100 दिनों से अधिक समय के बाद मुख्यमंत्री को सरकारी आवास आवंटित किया गया है। इस समय वह शालीमार बाग स्थित अपने निजी आवास में रह रही हैं। इस बीच उन्हें डीडीयू मार्ग और सिविल लाइंस पर कई सरकारी आवास दिखाए गए। पिछले दिनों वह उत्तरी दिल्ली में 2 नार्थ एंड रोड पर बने ऐतिहासिक बंगले सेशन हाउस भी देखने गई थीं। अब राजनिवास मार्ग के प्लाट नंबर आठ पर स्थित आवास पर सहमति बनी है। अधिकारियों का कहना है कि यह आवास आवंटन को लेकर गृह मंत्रालय के दिशा निर्देश के अनुरूप है। मुख्यमंत्री को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। राजनिवास मार्ग स्थित बंगलों में चार बेड रूम, बड़ा लिविंग व ड्राइंग रूम, स्टाफ क्वार्टर और लान उपलब्ध है। पीडब्ल्यूडी ने मुख्यमंत्री आवास के साथ कैंप कार्यालय के उन्नयन का काम शुरू कर दिया है। लगभग दो माह में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। दिल्ली में मुख्यमंत्री का कोई आधिकारिक आवास नहीं है। इस कारण प्रत्येक मुख्यमंत्री अलग-अलग आवास में रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सिविल लाइंस स्थित 6 फ्लैग स्टाफ रोड पर रहते थे। इसके नवीनीकरण कार्य को भाजपा ने चुनावी मुद्दा बनाया था। केजरीवाल पर सरकारी आवास के नवीनीकरण पर करोड़ों रुपये खर्च करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने इसे शीशमहल का नाम दिया था। मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद ही रेखा गुप्ता ने स्पष्ट कर दिया था कि वह 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सरकारी आवास में नहीं रहेंगी। 15 वर्षों तक दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित 1998 से 2004 तक सुप्रीम कोर्ट के नजदीक एबी-17. मथुरा रोड स्थित आवास में और उसके बाद मोती लाल नेहरु मार्ग के बंगले में चली गई थीं। 33, शामनाथ मार्ग स्थित बंगले में दो मुख्यमंत्री ब्रह्म प्रकाश और मदन लाल खुराना रहा करते थे। दोनों को बीच में ही अपना पद छोड़ना पड़ा था। उसके बाद से कोई मुख्यमंत्री उसमें नहीं रहा। खुराना के बाद मुख्यमंत्री बने साहिब सिंह वर्मा 6, शामनाथ मार्ग में रहते थे।

दिल्ली में क्राइम ब्रांच का बड़ा खुलासा, ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार; पकड़े गए चरस की कीमत एक करोड़

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने ड्रग्स तस्करी में शामिल मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से कुल 1.896 किलोग्राम चरस बरामद हुई है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान द्वारका के पवन कुमार के रूप में हुई है, जिसे वर्ष 2011 में भी उसके तीन साथियों के साथ एक किलोग्राम चरस बरामद होने पर गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर छूटने के बाद वह फिर ड्रग्स तस्करी के धंधे में शामिल हो गया। उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक, चार जून को गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसीपी राजकुमार की देखरेख में और इंस्पेक्टर शिव कुमार के नेतृत्व में टीम ने पवन को खजूरी खास इलाके से उस समय गिरफ्तार किया जब वह ड्रग डिलीवरी के इरादे से स्कूटी पर किसी का इंतजार कर रहा था। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 1.896 किलोग्राम चरस बरामद की गई।पूछताछ में उसने बताया कि वह हिमाचल प्रदेश से दिल्ली और आस-पास के इलाकों में चरस की आपूर्ति करता था। वह इस अवैध व्यापार के लिए मुख्य रूप से अपनी स्कूटी का इस्तेमाल करता था और अक्सर दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के बीच स्कूटी से ही आता जाता था। उसके खिलाफ हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के थाना बंजार में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। वह पेशे से एक टेंपो चालक है। पुलिस उससे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य तस्करों की जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली में चाकू से बेरहमी से हमला करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, कोटला मुबारकपुर की वारदात

नई दिल्ली। कोटला मुबारकपुर में हत्या के प्रयास के मामले में शामिल दो बदमाश को क्राइम ब्रांच ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। दो जून की सुबह पार्क जाने के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर आशीष नाम के युवक पर चाकू के कई वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया था। घटना में घायल आशीष की हालत गंभीर बनी हुई है। डीसीपी विक्रम सिंह के मुताबिक गिरफ्तार बदमाशों के नाम तनिश (ईस्ट किदवई नगर) और मनीष (पिलंजी, कोटला मुबारकपुर) है। उन्हें सफदरजंग अस्पताल बस स्टॉप के पास से गिरफ्तार किया गया। दो जून को आशीष उर्फ चीकू अपने दोस्तों के साथ पार्क जा रहा था। तभी उसका तनिश, बबलू और तीन अन्य के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। बात आगे बढ़ने पर पांच युवकों ने आशीष को पकड़ कर उसपर चाकू से कई वार किया। कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपितों को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी थी। घटना के बाद तनिश और मनीष दिल्ली से बाहर भागने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन चार जून को क्राइम ब्रांच एसीपी पंकज अरोड़ा और इंस्पेक्टर वीर सिंह के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम ने सफदरजंग अस्पताल के पास बस स्टॉप से दोनों को पकड़ लिया। तनिश और मनीष के खिलाफ पहले भी सफदरजंग एन्क्लेव थाने में झपटमारी का मामला दर्ज है।

दिल्ली में बढ़ जाएंगे सर्किल रेट? कांग्रेस के पूर्व महासचिव ने सीएम रेखा गुप्ता को सौंपा ज्ञापन

बाहरी दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के पूर्व महासचिव और वरिष्ठ प्रवक्ता डा. नरेश कुमार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को ज्ञापन भेजकर राजधानी दिल्ली में कृषि भूमि के सर्किल रेट (सरकारी दर) को तुरंत बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है। उन्होंने मांग की कि दिल्ली में कृषि भूमि का सर्किल रेट कम से कम 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ किया जाए, ताकि किसानों को इनकी जमीन के उचित दाम मिल सकें। डॉ. नरेश कुमार ने ज्ञापन की एक प्रति दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भी भेजी है , डॉ नरेश कुमार ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि दिल्ली में कृषि भूमि का आखिरी सर्किल रेट वर्ष 2008 में निर्धारित किया गया था, जो कि मात्र 53 लाख रुपये प्रति एकड़ है। उस समय यह प्रावधान किया गया था कि हर पांच वर्षों में सर्किल रेट की समीक्षा की जाएगी, लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ अवसरों पर प्रयास जरूर किए गए, लेकिन उन प्रस्तावों में इतनी खामियाँ थीं कि उपराज्यपाल ने उन्हें मंजूरी नहीं दी। उन्होंने कहा कि अगर हमारी यह मांग पूरी नहीं की गई तो दिल्ली कांग्रेस इस मुद्दे पर जल्द ही आंदोलन करेगी।

दिल्ली समेत देशभर में अब प्रदूषण से जंग होगी सख्त, बदले जाएंगे एक्यूआई के मानक

नई दिल्ली। एनसीआर सहित देश भर में वायु प्रदूषण से जंग और सख्त हो सकती है। पहली बार एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) के मानक बदलने की दिशा में काम हो रहा है। कुछ पुराने मानक हटाए जा सकते हैं और कुछ नई शुरूआत भी होने के संकेत हैं। एक्यूआई की गणना मई 2015 से हुई थी। तब से देश भर में वही मानक चले आ रहे हैं। इसके मुताबिक, पीएम 2.5 और पीएम 10 सहित एक्यूआइ की गणना आठ मानकों के आधार पर की जा रही है। अन्य छह मानकों में कार्बन मोनोक्साइड (सीओ), नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओ2), सल्फर डाइऑक्साइड (एसओ2), लेड व अमोनिया शामिल हैं। पर्यावरणविदों के मुताबिक, बदलते परिवेश में इन आठ में से कई मानक बहुत प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। लेड की नियमित ऑनलाइन निगरानी संभव नहीं है। एसओ2 और अमोनिया का स्तर कभी सामान्य से ज्यादा दर्ज नहीं होता। ऐसे ही पीएम 10 के उत्सर्जन स्त्रोत भी मानव जनित नहीं, बल्कि प्राकृतिक बताए जा रहे हैं, इसलिए इस पर अधिक काम करने की जरूरत नहीं है। अप्रासंगिक मानकों की सांद्रता के अनुपात से एक्यूआई और वायु प्रदूषण का सही स्तर भी सामने नहीं आ पाता। विशेषज्ञों के अनुसार, पीएम 2.5 के महीन कण तो अहम हैं ही, पीएम 1 के अत्यंत महीन कण की निगरानी करना भी बहुत जरूरी हो गया है। इसलिए नए मानकों में पीएम 10 भी हटाया जा सकता है और इसकी जगह पीएम 1 शामिल हो सकता है। सीपीसीबी सूत्रों ने बताया कि एक्यूआई मानकों में बदलाव करने से आईआईटी कानपुर से इस संदर्भ में एक शोध रिपोर्ट भी तैयार कराई गई है। रिपोर्ट को आधार बनाकर नए मानक फाइनल होंगे। सूत्र बताते हैं कि इस बदलाव को लेकर केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में उच्च स्तर पर विमर्श जारी है। जल्द ही इन्हें अंतिम रूप देकर अधिसूचित किए जाने के संकेत हैं।

एसीबी दफ्तर पहुंचे एएपी नेता सत्येंद्र जैन, क्लासरूम घोटाला मामले में पूछताछ जारी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन शुक्रवार को सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार के मामले में पूछताछ के लिए भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के समक्ष पेश हुए। जैन को दिल्ली सरकार के एसीबी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। एसीबी कार्यालय जाने से पहले जैन ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी में पिछली आप सरकार ने शहर की शिक्षा में सुधार की दिशा में काम किया, जबकि मौजूदा भाजपा सरकार केवल राजनीति कर रही है। पूछताछ से पहले पीटीआई वीडियो से बात करते हुए जैन ने कहा कि भाजपा मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। जैन ने कहा, "पहले मुझे बताइए कि घोटाला शब्द कहां से आया? वे (भाजपा) काम नहीं करना चाहते और निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।" "मनीष सिसोदिया (पूर्व शिक्षा मंत्री) ने स्कूलों में बेहतरीन काम किया। उन्हें तलब किया गया है। मुझे भी तलब किया गया है। ये सब ध्यान भटकाने की तरकीबें हैं। उन्होंने आरोप लगाया, "वे (भाजपा) कहते थे कि सड़कों पर कुत्ते घूम रहे हैं, लेकिन हम सड़कें साफ करेंगे। अब उन्हें ये काम करवाने चाहिए, लेकिन वे केवल राजनीति कर रहे हैं।" एसीबी ने सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर आप नेताओं सिसोदिया और जैन को तलब किया। जैन को शुक्रवार को पेश होने के लिए कहा गया है, जबकि सिसोदिया को 9 जून को तलब किया गया है। दिल्ली सरकार के स्कूलों में 12,000 से अधिक कक्षाओं या अर्ध-स्थायी संरचनाओं के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के आधार पर 30 अप्रैल को एसीबी द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी के बाद यह समन जारी किया गया है।

रास्ता पूछा...नोटों का बंडल दिया, फिर सोने की बालियां लेकर फरार; पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। पहले महिला से रास्ता पूछा, फिर नोटों का बंडल दिया। जिसके बाद आरोपितों ने झांसे में लेकर पीड़िता से सोने की बालियां लेकर फरार हो गया। ठगी का एहसास होने पर महिला की इसकी शिकायत रानीबाग थाना पुलिस से की। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर दो जालसाज समेत बालियां खरीदने वाले को भी गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से पुलिस ने एक जोड़ी सोने की बाली बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सूरज और सावन के रूप में हुई है। वहीं खरीदार की पहचान अरुण के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला कि सूरज और अरुण पर पहले से तीन मामले दर्ज हैं। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 31 मई को एक महिला ने रानीबाग थाने में ठगी की शिकायत की। पीड़िता ने बताया कि वह घर के बाहर खड़ी थी, इसी दौरान एक लड़का उसके पास आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर वह उसे नोट का बंडल दिखाया और उसे रखने के लिए कहा। मना करने पर एक अन्य युवक आया और बताया कि युवक संकट में है। उसने अपनी सोने की बालियां देने के लिए कहा। फिर आकर वह पैसे ले जाने की बात कही। बात में जांच करने पर बंडल में कागज का कतरन मिला। रानीबाग थाना प्रभारी प्रभांशु कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। सीसीटीवी कैमरे में कैद बदमाशों की पहचान के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया। बुधवार को मुखबिरों ने बताया कि बदमाश रानीबाग इलाके में मौजूद हैं। जहां से पुलिस ने दो आरोपियतों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने बताया कि सोने की बालियों को उन्होंने अरुण को बेच दिया है। पुलिस ने इनके निशानदेही पर अरुण को भी पकड़ लिया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

अरुण लोहिया हत्याकांड के आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पढ़ें पूरा मामला

दक्षिणी दिल्ली। पुलिस ने अरुण लोहिया हत्याकांड को अंजाम देने वाले बदमाशों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। इनमें से दो शूटर मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बदमाशों से वारदात में इस्तेमाल बाइक, चीनी आटोमेटिक पिस्टल सहित तीन अन्य पिस्टल, 12 कारतूस और छह खोखे बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि बदमाशों की पहचान आया नगर निवासी दीपक, योगेश व अजय के रूप में हुई है। शूटर योगेश पर चार व दीपक पर आर्म्स एक्ट समेत दो मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस बुधवार रात को चिराग दिल्ली-खानपुर स्ट्रेच (पुराना बीआरटी) के पास गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि अरुण लोहिया हत्याकांड के आरोपित आने वाले हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार तड़के करीब पांच बजे एक बाइक पर दो संदिग्ध आते हुए देखे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो आरोपित भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। इस दौरान एक गोली हेड कांस्टेबल कमल प्रकाश की बुलेट प्रूफ जैकेट में भी लगी। पुलिस ने घायल बदमाश दीपक व योगेश को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें उपचार के दौरान एम्स ट्रामा सेंटर भेज दिया। पुलिस ने बदमाशों की निशानदेही पर तीसरे आरोपित अजय को एशियन मार्केट, पुष्प विहार से गिरफ्तार किया। इन बदमाशों ने 15 मई को दिनदहाड़े छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास सीडीआर चौक पर आयानगर निवासी अरुण लोहिया की हत्या कर दी थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अजय ने अरुण की हत्या की साजिश रची थी, जबकि शूटर दीपक व योगेश ने अरुण को गोली मारी थी। आरोपितों से बरामद किए गए हथियारों को ही अरुण हत्याकांड में इस्तेमाल किया गया था। पुरानी रंजिश में की थी हत्या पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मृतक अरुण लोहिया का प्रापर्टी के काम को लेकर एक साल पहले गांव के ही दीपक से उसका झगड़ा हुआ था। मामले में अरुण के खिलाफ एफआइआर हुई थी। सामाजिक तौर पर पंचायत हुई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हुआ था। अरुण और उसके पिता रामवीर लोहिया ने दीपक के परिवार से सार्वजनिक माफी मांगी थी। उन पर 30 लाख रुपये जुमार्ना लगाया गया था, जिसमें से 20 लाख दिए जा चुके थे। फिर भी दीपक ने रंजिश में योगेश और अजय के साथ मिलकर अरुण की हत्या कर दी थी।

अगले 4-5 दिन कनॉट प्लेस से इस मार्ग तक रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, घर से निकलने से पहले चेक करें नया रूट

नई दिल्ली। सिविक एजेंसी द्वारा सड़क मरम्मत कार्य के चलते आउटर कनाट सर्कल से पंचकुइयां मार्ग की ओर जाने वाले कैरिजवे पर अगले 4-5 दिनों तक यातायात की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। इस कारण वाहनों को पंचकुइयां रोड और बंगला लेन क्रॉसिंग पर डायवर्ट किया गया है। डायवर्जन के तहत वाहन अब विपरीत दिशा के कैरिजवे से आउटर कनाट सर्कल तक जा सकेंगे। यातायात पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और यात्रा की योजना पहले से बनाकर निकलें। संबंधित मार्गों पर ट्रैफिक स्टाफ की तैनाती की गई है ताकि यातायात नियंत्रित किया जा सके। यातायात पुलिस ने आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि कार्य पूर्ण होते ही मार्ग को फिर से सामान्य रूप से खोल दिया जाएगा।

नजीब अहमद गुमशुदगी मामला: सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर अदालत जल्द सुना सकती है फैसला

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के लापता छात्र नजीब अहमद के मामले में अदालत 30 जून को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर फैसला सुना सकती है। सीबीआई ने ये रिपोर्ट वर्ष 2018 में दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि नजीब की तलाश में कोई ठोस सुराग नहीं मिला। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट ज्योति महेश्वरी ने सीबीआई से कुछ स्पष्टीकरण मांगे और उसके बाद अगली सुनवाई के लिए 30 जून की तारीख तय की है। कोर्ट उक्त तारीख को न केवल सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर विचार करेगी, बल्कि नजीब की मां फातिमा नफीस द्वारा दाखिल विरोध याचिका पर भी निर्णय देगी। नजीब अहमद 15 अक्टूबर 2016 को जेएनयू के माही-मांडवी हॉस्टल से लापता हो गया था। इससे एक दिन पहले उसका अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीपीवी) से झगड़ा हुआ था। मामले की शुरूआत में जांच दिल्ली पुलिस ने की थी, लेकिन बाद में यह सीबीआई को सौंप दिया गया। वर्ष 2018 में सीबीआई ने जांच बंद करने की अनुमति दिल्ली हाईकोर्ट से प्राप्त कर, कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। नजीब की मां फातिमा नफीस के अधिवक्ता ने कोर्ट में दलील दी थी कि यह मामला पूरी तरह राजनीतिक है और सीबीआई ने अपने आकाओं के दबाव में आकर निष्पक्ष जांच नहीं की।

महंगी गाड़ियां चोरी करने और खरीदने वाले गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने अंतरराज्यीय वाहन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो कुख्यात वाहन चोर और दो रिसवीरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से दिल्ली और कोलकाता से चोरी की चार कारें बरामद की गई हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अभिषेक उर्फ सत्यम बाजपेयी, जानी उर्फ तानी, रिसीवर इरफान उर्फ पिंटू और नौशाद शेख उर्फ राजू के रूप में हुइ है। इनमें से अभिषेक यूपी में गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में भी वांछित था। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से वाहन चोरी के चार मामले सुलझाने का दावा किया है। उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक, सिपाही नवीन को एक गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपित अभिषेक रोहताश नगर, मानसरोवर पार्क, शाहदरा इलाके में आने वाला है। आरोपित को पकड़ने के लिए गठित टीम ने शाहदरा इलाके में जाल बिछाते हुए उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसके कब्जे से एक मारुति बलेनो कार बरामद की गई जो वसंत कुंज इलाके से चोरी की हुई थी। उसकी निशानदेही पर एक किआ सेल्टोस कार बरामद की गई, जो थाना मौर्या एन्क्लेव इलाके से चोरी हुई थी और चोरी की गाड़ियों के रिसीवर इरफान को भी उसकी निशानदेही पर गिरफ्तार किया गया। इरफान की निशानदेही पर एक मारुति स्विफ्ट कार बरामद की गई, जो मोती नगर इलाके से चोरी की गई थी। आगे की जांच के दौरान, अभिषेक के सहयोगी जानी को भी गिरफ्तार किया गया और तकनीकी निगरानी की मदद से, चोरी की कारों के रिसीवर नौशाद सेख को कोलकाता से पकड़ा गया और उसके पास से एक होंडा डब्ल्यूआरवी कार बरामद की गई जो कोटला मुबारकपुर इलाके से चोरी की गई थी। कोडिंग टैब और डुप्लीकेट चाबियों का करते थे इस्तेमाल पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि उसके पिता दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की बिक्री-खरीद के व्यवसाय में थे। इस व्यवसाय के दौरान, वह जानी के संपर्क में आया, जो गाड़ियां चोरी करने में माहिर था। उसने भी जानी के साथ कारों की चोरी करना शुरू कर दिया। वे दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों से इरफान की मांग पर वाहन चोरी करते थे, जिसके लिए उन्हें 80 हजार से एक लाख रुपये प्रति कार मिलते थे। कार खोलने के लिए कोडिंग टैब का इस्तेमाल करते थे, जिसका इंतजाम इरफान ने किया था। वहीं अभिषेक कारों की डुप्लीकेट चाबियां बनाने में माहिर था।

मणिपुर में आठ उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम और बिष्णुपुर जिलों से सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि घारी माखा लेईकोई क्षेत्र से प्रतिबंधित 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया, जबकि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के चार सदस्यों को ताओथोंग खुनौ और बिष्णुपुर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बिष्णुपुर के वांगू अहलुप मयई लीकाई में पीआरईपीएके (प्रो) के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि कुछ उग्रवादियों के पास से पिस्तौल सहित हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया गया। राज्य में जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए खुफिया जानकारी के आधार पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं।

बिहार में अपराधी बेलगाम, अपनी और अपने सामान की सुरक्षा स्वंय करे : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज है। नेताओं के बीच एक-दूसरे पर आरोप और प्रत्यारोप का दौर जारी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार में कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश सरकार पर हमलावार है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हैं। लगातार कई घटनाएं सामने आ रही हैं और पुलिस बेबस दिख रही है। सुशासन बाबू की सरकार भी सो रही है, ऐसा लग रहा है जैसे उन्हें कुछ करना ही नहीं है। राजद नेता तेजस्वी ने कहा कि पटना एम्स में इतनी अव्यवस्था है। मरीजों के परिजन सड़कों पर आराम कर रहे हैं। मरीजों को बेड नहीं मिल रहे हैं। सीएम की मानसिक स्थिति बेसुध है और अब वे अपने पद पर बने रहने में असमर्थ हैं। वहीं, उन्होंने लिखा कि सूचना जनहित में जारी। बिहार में सतर्क रहे, सचेत रहे, सावधान रहे! अपने जानमाल की रक्षा स्वयं करें क्योंकि बिहार में 20 वर्षों की एनडीए सरकार के सत्ता संरक्षित अपराधी कभी भी, कहीं भी, कैसे भी कुछ भी वारदात कर सकते है।

पानीपत में किसान की हत्या पर भड़के राकेश टिकैत,उठाए सवाल

पानीपत (एजेंसी)। जिले के निजामपुर गांव में किसान विजेंद्र की बिल्डर के बाउंसरों द्वारा जलाकर हत्या किए जाने की घटना से किसान आक्रोशित हैं। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने गुरुवार को सरकार और बिल्डरों के गठजोड़ पर गंभीर सवाल खड़े किए। टिकैत ने इस हत्याकांड को किसानों के प्रति बढ़ते अत्याचार का प्रतीक बताते हुए कहा कि एक मामला संज्ञान में आया है कि बिल्डरों ने एक किसान को जलाकर मार डाला है। यह बेहद गंभीर और शर्मनाक है। बीकेयू की टीम शुक्रवार को मृतक किसान के घर जाकर परिवार से मुलाकात करेगी। टिकैत ने कहा कि वह स्वयं भी जल्द ही पानीपत जाएंगे और पीड़ित परिवार से मिलेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की जमीनें हथियाने की कोशिश कर रही है और जब किसान जमीन देने से इनकार करता है, तो बिल्डर दबाव और हिंसा पर उतर आते हैं। उन्होंने कहा कि बिल्डर अपनी मनमानी कर रहे हैं क्योंकि उन्हें सरकार का संरक्षण प्राप्त है। यही कारण है कि आज किसान मारे जा रहे हैं।

कर्नाटक भाजपा ने मांग, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री का इस्तीफा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ने दबाव में आकर यह कदम उठाया है। आरसीबी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई की है। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने अचानक बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पांच अन्य अधिकारियों को निलंबित किया। विपक्षी भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी नेता आर अशोक ने दुखद घटना को क्रिकेट एसोसिएशन का कार्यक्रम बताकर जिम्मेदारी से बचने के लिए सीएम सिद्धारमैया की आलोचना की। सोशल मीडिया पर आरोप लगा रहा हैं कि भगदड़ में कई लोगों की मौत की सूचना मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री ने होटल में खाना खाया और बादाम हलवा खाया। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि असली आरोपी कोई और नहीं बल्कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं। आरोपी नंबर 2 उपमुख्यमंत्री शिवकुमार हैं। आरोपी नंबर 3 गृह मंत्री परमेश्वर हैं। उनकी वास्तव में जांच होनी चाहिए। विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। जवाब में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वे राजनीति के लिए ऐसा कर रहे हैं। मैं राजनीति नहीं करता।

हथियारों की तस्करी में शामिल दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में पाकिस्तान बॉर्डर पर फिर से बड़ा कांड हुआ है। काउंटर इंटेलिजेंस (अमृतसर) ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी में शामिल दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सुखचैन सिंह और जुगराज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने इन दोनों के कब्जे से आठ अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने इन तस्करों को पाकिस्तान स्थित तस्कर से हथियारों की खेप लेते समय पकड़ा। पुलिस ने छापेमारी के दौरान तीन ग्लॉक 9 मिमी पिस्तौल, चार पीएक्स5 पिस्तौल और एक.30 बोर पिस्तौल बरामद की है। ये हथियार सीमा पार से तस्करी के जरिए भारत लाए गए थे।

वक्फ संपत्तियों की अब एक क्लिक में मिलेगी जानकारी, किरेन रिजिजू ने उम्मीद पोर्टल किया लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को उम्मीद पोर्टल का शुभारंभ किया और कहा कि यह वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को डिजिटल बनाएगा और पूरी तरह पारदर्शी तरीके से काम करेगा। उन्होंने कहा कि आज, वक्फ संशोधन अधिनियम की पहली कार्यान्वयन प्रक्रिया शुरू हो रही है। यह उम्मीद पोर्टल वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को डिजिटल करेगा ताकि कोई इसका दुरुपयोग या बाईपास न कर सके। यह पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से काम करेगा। दक्षता और सशक्तिकरण इस अधिनियम का सबसे बड़ा उद्देश्य है... यह सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है, लेकिन विशेष रूप से गरीब मुस्लिम बच्चों, महिलाओं, अनाथों और विधवाओं के लिए। भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा वक्फ संपत्तियां हैं। हमारे मुस्लिम समुदाय में गरीबों की आबादी बहुत ज्यादा है। इसे कम करने के लिए, वक्फ संपत्ति का उचित प्रबंधन बहुत जरूरी होने वाला है। भारत में 9 लाख से ज्यादा वक्फ संपत्तियां हैं। आने वाले दिनों में आप देखेंगे कि कितनी रजिस्ट्रेशन

होंगी।

रिजिजू ने कहा कि उम्मीद पोर्टल भारत में वक्फ संपत्ति प्रबंधन और प्रशासन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। उम्मीद पोर्टल लॉन्च करने के बाद किरेन रिजिजू ने कहा कि इससे न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि आम मुसलमानों, खासकर महिलाओं और बच्चों को भी मदद मिलेगी। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा विकसित इस पोर्टल का आधिकारिक उद्घाटन केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन की मौजूदगी में किया गया। इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए रिजिजू ने जोर देकर कहा कि उम्मीद पोर्टल महज एक तकनीकी उन्नयन से कहीं बढ़कर है।

उन्होंने कहा कि यह अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने और समुदाय के स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों का उपयोग गरीब मुसलमानों के लिए प्रभावी और निष्पक्ष रूप से सुनिश्चित करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिनके लिए यह मूल रूप से बनाया गया था। यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट, 1995 का संक्षिप्त नाम, उम्मीद सेंट्रल पोर्टल, वक्फ संपत्तियों की वास्तविक समय पर अपलोडिंग, सत्यापन और निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। इस पोर्टल से भारत भर में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन में व्यापक बदलाव आने की उम्मीद है, जिससे अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक भागीदारी आएगी।

प्रियांक खड़गे का बयान, हमारी सरकार किसी को भी बलि का बकरा नहीं बना रही

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना पर टिप्पणी कर कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित किया गया है और मामले की जांच के लिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। खड़गे ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। हमारी सरकार ने किसी को बलि का बकरा नहीं बनाया है। भाजपा की आलोचना का जवाब देकर खड़गे ने पलटवार कर कहा कि भाजपा चाहती है कि सीएम, डीसीएम और गृह मंत्री इस्तीफा दें, इसके हिसाब से, योगी आदित्यनाथ इस्तीफा दे, पहलगाम हमले के लिए अमित शाह इस्तीफा दे, विदेश नीति की विफलता के लिए एस जयशंकर को इस्तीफा और पूरे देश को गुमराह करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या कुंभ मेले में भगदड़ नहीं मची? हमें यह भी नहीं पता कि कितने लोग मारे गए। हम कम से कम अपनी गलती स्वीकार कर रहे हैं और जिम्मेदारी ले रहे हैं... हम हताहतों की संख्या नहीं छिपा रहे हैं। उन्होंने माना कि राज्य सरकार बेहतर योजना बना सकती थी, हां, हम बेहतर योजना बना सकते थे और चीजों को बेहतर तरीके से कर सकते थे, और हम इस पर विचार कर रहे हैं...।

सरेंडर वाले राहुल के बयान पर सरमा ने खोल दिया, कांग्रेस का काला चिट्ठा

सरेंडर करने में नेहरू और इंदिरा गांधी सबसे आगे

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नरेंद्र सरेंडर कहने वाली कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की टिप्पणियों पर तीखा पलटवार किया। इस पर सीएम सरमा ने कड़ी प्रतिक्रिया देकर आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का भारत के राष्ट्रीय हितों को आत्मसमर्पण करने का लंबा इतिहास रहा है। सीएम सरमा ने ऐतिहासिक घटनाओं का हवाला दिया और कांग्रेस नेताओं, विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी पर भारत की संप्रभुता से समझौता करने और इसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

सीएम सरमा ने कहा कि कश्मीर संघर्ष के दौरान संयुक्त राष्ट्र से संपर्क करने के नेहरू के फैसले ने भारत की सैन्य प्रगति को रोक दिया, जिससे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का निर्माण हुआ। वैश्विक तुष्टिकरण की वेदी पर एक सैन्य जीत की बलि दी गई।

सीएम सरमा ने कहा कि नेहरू पर चीन को बिना किसी प्रतिरोध के 38,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देने का आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि इससे असम और पूर्वोत्तर असुरक्षित हो गया। मैं असम के लोगों के लिए दुखी हूँ। क्या यह राजनेता था या राहुल गांधी का आत्मसमर्पण? असम लगभग कट गया था। पूरे पूर्वोत्तर को भाग्य पर छोड़ दिया गया था।

इतना ही नहीं सीएम सरमा ने युद्ध के बाद पीओके की वापसी या क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बातचीत किए बिना 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा करने के लिए इंदिरा गांधी की आलोचना की।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर लगे स्वर्ण मंदिर में खालिस्तान समर्थक नारे

जसबीर सिंह ने कहा- हमेशा ही लगते रहे हैं नारे इसमें कुछ नया नहीं

अमृतसर (एजेंसी)। ऑपरेशन ब्लू स्टार की 41वीं बरसी पर स्वर्ण मंदिर में खालिस्तान समर्थक नारे लगे। शुक्रवार को सामने आए वीडियो में स्वर्ण मंदिर परिसर में उमड़ी भीड़ को 'खालिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाते सुना जा सकता है। यह नारे शिअद के नेता सिमरनजीत सिंह मान की मौजूदगी में लगाए गए। मामला सामने आने के बाद अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे ने कहा है कि यह नारे हमेशा ही लगते रहे हैं और इसमें कुछ नया नहीं है।

उन्होंने कहा कि ये नारे यहां और दुनिया भर में हमेशा लगाए जाते रहे हैं। आज तक सरकार के पास इस बात का जवाब नहीं है कि सिखों के सबसे पवित्र स्थल पर हमला क्यों किया गया। सिख अपने अधिकारों की मांग कर रहे थे। फिर भी बिना किसी चेतावनी के हम पर हमला किया गया, जैसे दुश्मन देशों पर हमला किया जाता है।

भारतीय सेना ने खालिस्तानी समर्थकों पर एक्शन लेते हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार लॉन्च किया था। 1 से 8 जून 1984 तक चले इस ऑपरेशन का उद्देश्य स्वर्ण मंदिर परिसर से भिंडरावाले के नेतृत्व वाले उग्रवादियों को मार गिराना था, लेकिन पंजाब का एक वर्ग इसे पवित्र स्वर्ण मंदिर में सैन्य एक्शन के रूप में देखता है।

इस बीच ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के मौके पर पंजाब को छावनी में बदल दिया गया। पंजाब पुलिस आयुक्त ने बताया कि शहर के एंट्री और एग्जिट के साथ-साथ अंदरूनी क्षेत्रों में कई चेकपॉइंट बनाए गए। अमृतसर के आसपास वाले शहरों में पुलिस अधिकारियों द्वारा विशेष रूप से स्वर्ण मंदिर के आसपास कड़ी सुरक्षा की गई और आने-जाने वालों की कड़ी जांच की जा रही है। शहर की सुरक्षा के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

इस बीच सिख कट्टरपंथी समूह दल खालसा ने अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज द्वारा सर्वोच्च सिख धार्मिक पीठ के मंच से संबोधन देने पर आपत्ति जताई है, जिसके बाद एसजीपीसी, पुलिस और एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। दल खालसा ने गुरुवार देर शाम शहीदी मार्च निकाला। इसके अलावा दल खालसा की ओर से आज अमृतसर बंद बुलाया है।

राम मंदिर निर्माण में अब तक लग चुका है 50 करोड़ का सोना

अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण में 45 किलोग्राम खरा सोने का इस्तेमाल किया गया, जिसकी कीमत करीब 50 करोड़ रुपए है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि मंदिर में कुल 45 किलोग्राम खरा (24 कैरेट) सोने का इस्तेमाल किया गया है। बृहस्पतिवार को राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर भगवान राम, देवी सीता और भाई लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न तथा राम भक्त हनुमान से सजे राम दरबार की पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। मिश्रा ने बताया कि मंदिर में इस्तेमाल किये गए सोने का अनुमानित मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये है। मंदिर के भूतल पर बने दरवाजों और भगवान राम के सिंहासन में बड़े पैमाने पर सोने का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, शेषावतार मंदिर में सोने का काम अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर के मुख्य ढांचे का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन संग्रहालय, सभागार और अतिथि गृह समेत मंदिर परिसर के अन्य हिस्से अभी निर्माणाधीन हैं। इनका काम दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

बीजेपी-कांग्रेस में अघोषित गठबंधन, उनके नेता जेल से बाहर, बाकी विरोध दल के नेता जेल जा चुके

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कांग्रेस के बिना तीसरे मोर्चा की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के अस्तित्व पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि गैर-कांग्रेस और गैर-बीजेपी दलों को अब थर्ड फ्रंट बनाने के बारे में विचार करना चाहिए। आतिशी का आरोप है कि कांग्रेस ने बीजेपी के साथ अघोषित गठबंधन किया है, इसलिए नेशनल हेराल्ड मामले के आरोपी और रॉबर्ट वाड्रा जैसे लोग जेल नहीं जा रहे हैं।

आपनेता आतिशी ने एक इंटरव्यू में कांग्रेस का बीजेपी के साथ अघोषित गठबंधन होने का दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बाकी विपक्षी नेताओं को केंद्र सरकार परेशान कर रही है, लेकिन कांग्रेस के आला नेताओं को जेल नहीं भेजा जा रहा है। आतिशी ने कांग्रेस की भूमिका पर निराशा जताकर कहा कि कांग्रेस को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करना चाहिए था, क्योंकि वह सबसे बड़ी पार्टी है और उसकी सभी राज्यों में मौजूदगी है। इसलिए सभी को साथ लेकर चलना चाहिए

था।

तीसरे मोर्चा पर आतिशी का कहना है कि गैर-कांग्रेस और गैर-बीजेपी दलों को देश में हो रही घटनाओं पर निश्चित रूप से विचार करना चाहिए। उन्हें राज्यों के अधिकारों और नेताओं के उत्पीड़न के बारे में सोचना चाहिए। उनके अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में थर्ड फ्रंट एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आतिशी ने कांग्रेस नेताओं पर बीजेपी की भाषा बोलने का आरोप लगाया। इसके लिए उन्होंने राहुल गांधी के केरल दौरे का उदाहरण दिया। आतिशी ने कहा कि राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की आलोचना की, जबकि विजयन सीपीएम के नेता हैं, जो इंडिया गठबंधन की सहयोगी है। आतिशी के अनुसार, राहुल गांधी बीजेपी की भाषा में बात करते हैं।

आतिशी को लगता है कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे आप नेता जेल जा चुके हैं, लेकिन नेशनल हेराल्ड केस में कोई जेल नहीं गया है। गौरतलब है कि केस में राहुल और उनकी मां सोनिया गांधी प्रमुख आरोपी हैं और जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ ही ऐसा ही क्यों हो रहा है।

राहुल गांधी को निशाने पर लेकर उन्होंने कहा, जरा पैटर्न देखिए, केवल उन नेताओं के मामले बंद होते हैं जो बीजेपी में शामिल होते हैं... कांग्रेस के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। यह पैटर्न आपको क्या बताता है? ऐसा कैसे है कि आम आदमी पार्टी के नेता जेल जाते हैं... आप टीएमसी के अभिषेक बनर्जी के खिलाफ, सीपीएम के विजयन की बेटी के खिलाफ मामले दर्ज कर रहे हैं। कांग्रेस के मामले में ऐसा क्यों नहीं होता? उनके नेता जेल क्यों नहीं जाते? तब निश्चित रूप से एक अघोषित गठबंधन है।

भारत में 500 जासूसों की फौज तैयारी करना चाहती हैं मैडम एन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी से पता चला कि यूट्यूबर्स के द्वारा पाकिस्तान ने भारत में जासूसी का नेटवर्क बनाया था। इसी कड़ी में पर एक और बड़ा खुलासा हुआ है। नए खुलासे में पाकिस्तानी एजेंट है, जिसका कोडनेम मैडम एन है। इस पाकिस्तानी जासूस का नाम नौशाबा शहजाद मसूद है। नौशाबा का मकसद भारत में 500 जासूसों का लंबा चौड़ा नेटवर्क खड़ा करने का मकसद था। इसके लिए नौशाबा भारतीय सोशल मीडिया इंफ्लूएंशर्स और यूट्यूबर्स से संपर्क करने की कोशिश करती थी। नौशाबा इन्हें पाकिस्तान घुमाने का प्रलोभन देती थी।

नोशाबा शहजाद मसूद या मैडम एन, पाकिस्तान के लाहौर निवासी हैं। जयाना ट्रैवल एंड टूरिज्म नामक कंपनी चलाने वाली मैडम एन की शादी पाकिस्तान के एक सेवानिवृत्त सिविल सेवा अधिकारी से हुई है।

दरअसल आईएसआई की मैडम एन की रची गई साजिश अब सामने आई है। वह कथित तौर पर जासूसी की आड़ में स्लीपर सेल का नेटवर्क बनाने में लगी थी। मैडम एन पर आरोप है कि सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों की पाकिस्तान यात्रा में मदद की, जिन्हें बाद में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जासूस मैडम एन पर्यटन और धार्मिक तीर्थयात्राओं की आड़ में भारत में 500 व्यक्तियों का जासूसी नेटवर्क स्थापित करने में सक्रिय रूप से लगी हुई थी। उसने स्लीपर सेल की भर्ती के लिए, खासकर करतारपुर कॉरिडोर के खुलने के बाद भारतीय हिंदुओं और सिखों को निशाना बनाया। करतारपुर कॉरिडोर के खुलने के बाद उसकी गतिविधियाँ काफी बढ़ गईं। पिछले छह महीनों में, नोशाबा ने पाकिस्तान में रहने वाले लगभग 3,000 भारतीयों और विदेशों में रहने वाले लगभग 1,500 भारतीयों को सुविधा प्रदान की है।

इतना ही नहीं नोशाबा का दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास के वीजा अनुभाग पर भी गहरा प्रभाव था। वह दूतावास में वीज़ा अधिकारी के रूप में काम करने वाले आईएसआई अधिकारी दानिश से भी सीधे संवाद करती थी। खास तौर पर ध्यान देने वाली बात यह है कि तकनीकी तौर पर पाकिस्तान जाने के इच्छुक भारतीय नागरिकों को पर्यटक वीजा जारी करने के लिए कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष की दौड़ में 3 दिग्गज शामिल, इसी माह हो जाएगा फैसला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन बनेगा? इस सवाल पर अभी भी सस्पेंस बरकरार है। कई नामों की चर्चा हो रही है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर संगठन चुनाव को लेकर पार्टी की तरफ से कुछ भी नई जानकारी नहीं दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए जिन दिग्गज नेताओं के नाम चर्चा में हैं, उनमें धर्मेंद्र प्रधान (केंद्रीय मंत्री), शिवराज सिंह चौहान (कैबिनेट मंत्री), मनोहर लाल खट्टर (कैबिनेट मंत्री) जैसे दिग्गज शामिल हैं। इनमें से कुछ नाम संगठनात्मक अनुभव के आधार पर मजबूत माने जा रहे हैं, तो कुछ नाम राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर सामने आए हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष से पहले भाजपा को कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष भी चुनना है। उत्तराखंड में एक ब्राह्मण चेहरा सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश में पहले ब्राह्मण उम्मीदवार पर विचार किया जा रहा था, लेकिन अब पिछड़े वर्ग से अध्यक्ष बनाने की मांग तेज हो गई है। मध्य प्रदेश में अब तक का फार्मूला था - मुख्यमंत्री ओबीसी और प्रदेश अध्यक्ष ब्राह्मण, लेकिन अब पार्टी जनजातीय नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर विचार कर रही है क्योंकि वर्तमान में कोई आदिवासी प्रतिनिधित्व नहीं है। बीजेपी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए आधे से अधिक राज्यों में संगठन चुनाव की प्रक्रिया पूरी होना अनिवार्य है। सूत्रों के अनुसार, अधिकांश राज्यों में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हाल ही में उत्तर प्रदेश में भी जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी गई थी। इसके बाद उम्मीद जगी की जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव संपन्न हो जाएगा। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इसे फिर से टाल दिया गया।

संगठनात्मक पुनर्गठन की कवायद अब जोर पकड़ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जिनका कार्यकाल पहले ही लोकसभा चुनाव तक बढ़ाया जा चुका है। नड्डा जनवरी 2020 में अध्यक्ष बने थे और 2023 में उनका कार्यकाल 2024 के आम चुनाव तक बढ़ाया गया था। अब जबकि लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं, पार्टी नेतृत्व में बदलाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।सूत्रों के अनुसार, बीजेपी जून के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव की अधिसूचना जारी कर सकती है। इसके तहत सबसे पहले राज्य स्तर पर संगठनात्मक चुनाव कराए जाएंगे और उसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष का चुनाव होगा। यह पूरी प्रक्रिया पार्टी के संविधान के अनुसार होगी, जिसमें नामांकन, छंटनी और मतदान जैसे चरण शामिल होंगे। चुनाव की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति गठित की जाएगी, जो इस प्रक्रिया की निगरानी करेगी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि जे. पी. नड्डा दोबारा चुनाव लड़ेंगे या कोई नया चेहरा सामने आएगा, लेकिन पार्टी के भीतर और बाहर दोनों ही स्तर पर उत्सुकता चरम पर है।बीजेपी का नया अध्यक्ष 2026 के विधानसभा चुनावों और 2029 के आम चुनावों के लिए रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। ऐसे में यह चुनाव सिर्फ संगठनात्मक परिवर्तन नहीं बल्कि पार्टी की भविष्य की दिशा और प्राथमिकताओं को भी तय करेगा।बीजेपी के नए अध्यक्ष के चुनाव पर सिर्फ पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि अन्य राजनीतिक दलों की भी पैनी नजर बनी हुई है, क्योंकि इससे पार्टी की नीतियों, संगठनात्मक प्राथमिकताओं और रणनीतियों पर बड़ा असर पड़ेगा।

शुभमन बोले, बल्लेबाजी क्रम को लेकर अभी कोई फैसला नहीं किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे से पहले बातचीत के दौरान कहा कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से टीम पर दबाव होगा पर ये नई बात नहीं है क्योंकि हर दौरे में दबाव होता है। उन्होंने माना कि इन दो दिग्गजों की कमी पूरी करना संभव नहीं है पर टीम में शामिल सभी खिलाड़ी दबाव के बीच खेलने के आदी हैं। वहीं शुभमन ने बल्लेबाजी क्रम को लेकर कहा कि इसका फैसला इंग्लैंड में ही होगा। उन्होंने बताया कि हमने अभी तक बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है। हम लंदन में 10 दिन के कैंप के बाद आपस में ही एक मुकाबला खेलेंगे। उसी के बाद ये तय होगा। साथ ही कहा कि वहां जाकर हम बल्लेबाजी संयोजन भी तय करेंगे। इससे साफ है कि वह हालातों के अनुसार काम करना चाहते हैं।

वहीं कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने को लेकर शुभमन ने कहा कि इससे मैं अभिभूत हूं। उन्होंने कहा, मेरी कोई खास शैली नहीं है। जैसे-जैसे मुझे अनुभव मिलेगा, मेरी अपनी शैली निकलकर सामने आएगी। मैं खिलाड़ियों के साथ बातचीत कर फैसले लेना चाहता हूं। मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ बंधन बनाना सबसे जरुरी है। इसके साथ ही उनकी कमजोरियों को समझना और उन्हें सुरक्षित महसूस कराना भी जरूरी है, जिससे वे अपना 100 फीसदी दे सकें। वहीं ड्यूक बॉल से खेलने को लेकर कहा कि यह व्यक्तिगत पसंद है। खिलाड़ियों की पहली प्राथमिकता अपनी टीम के लिए खेलना है। कुछ खिलाड़ी ड्यूक बॉल के साथ सहज हो सकते हैं पर ये उनकी पसंद पर निर्भर करता है। शुभमन का यह बयान दिखाता है कि वह खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेलने की आजादी देने और उनकी ताकत को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हैं। इससे तय है कि शुभमन एक ऐसी टीम बनाना चाहते हैं, जहां खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।

गुकेश ने चीन के वेई यी को हराया, कार्लसन के साथ खिताब के दावेदार बने

स्टावेंजर (नॉर्वे) (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में चीन के वेई यी को हराकर तीन अंक हासिल किए और नॉर्वे के स्टार मैग्नस कार्लसन के साथ खिताब के लिए शीर्ष दावेदार बन गए। अब जब कि केवल एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है तब गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन छह खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में उनसे केवल आधा अंक आगे हैं। कार्लसन ने हारने की स्थिति से वापसी करते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया और पूरे अंक हासिल किए। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा। दोनों ही खिताब और 69,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहेंगे। अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के 13 अंक हैं और उनके पास भी खिताब जीतने का मौका है। नाकामुरा ने एरिगैसी को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराया। भारतीय खिलाड़ी के 11.5 अंक हैं। महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी काले मोहरों से खेलते हुए चीन की लेई टिंगजी से हार गई। हम्पी अब 13.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने चीन की विश्व चैंपियन जू वेनजुन (12.5) को हराकर भारतीय खिलाड़ी पर दो अंकों की बढ़त ले ली है। प्रतियोगिता में भाग ले रही भारत की एक अन्य खिलाड़ी आर वैशाली (9.5) स्पेन की सारा खादेम (09) से हार गईं।

पीयूष चावला ने संन्यास लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। इसी के साथ ही पीयूष का दो दशक तक चला करियर समाप्त हो गया है। पीयूष ने सोशल मीडिया के जरिये अपने संन्यास की जानकारी साझा की है। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया में लिखा, दो दशक से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को विराम दूं। साथ ही कहा कि, 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्वकप की विजेता टीम का हिस्सा रहना उनके लिए गर्व की बात रही है और ये यादें हमेशा उनके दिल में बनी रहेंगी।

उन्होंने कहा कि आईपीएल उनके करियर का एक अहम हिस्सा रहा है। साथ ही कहा, मैं उन सभी फ्रेंचाइजियों का दिल से आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल में खेले हर पल का मैंने आनंद लिया है। आईपीएल में चावला का करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2012 और 2014 में दो बार खिताब जीता। उन्होंने आईपीएल में कुल 192 विकेट लिए और वह सुनील नरेन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं।

अपने कोचों और परिवार को याद करते हुए इस क्रिकेटर ने लिखा, मैं अपने कोचों (के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सरस्वत) के प्रति गहरा आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने के काबिल बनाया।साथ ही उन्होंने अपने परिवार को अपनी ताकत बताया और अपने दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, उनका मुझ पर विश्वास ही वह रौशनी थी जिसने मुझे राह दिखाई। उनके बिना यह यात्रा संभव नहीं हो पाती। चावला ने अपने करियर को याद करते हुए कहा, मैंने लगभग 20 साल क्रिकेट को दिए हैं। यह एक लंबा और यादगार सफर रहा है। ऊपर वाले की कृपा रही कि मैं इतने लंबे वक्त तक क्रिकेट खेल सका। यह सफर कभी बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, तो कभी बेहद सुकून देने वाला पर इसके हर पल ने मुझे बहुत कुछ सिखाया और बहुत कुछ दिया। ये वो यादें हैं जो हमेशा ही मेरे साथ बनी रहेंगी।

अगले छह माह में भारतीय टीम पांच टीमों से खेलेगी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अगले छह माह का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और उसे पांच टीमों से 9 सीरीज खेलनी है। इसकी शुरुआत 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से होगी। इस सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। ये भारत और इंग्लैंड की पहली सीरीज होगी इससे दोनो ही टीमों का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र भी शुरु होगा। ये टेस्ट सीरीज 4 अगस्त तक चलेगी। इसके बाद भारतीय टीम बांग्लादेश के दौरे पर जाएगी, जहां 3 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। इस प्रकार 6 महीने में 9 सीरीज होंगी।

इसके बाद एशिया कप 2025

का कार्यक्रम है हालांकि अभी इसकी तारीखें घोषित नहीं की गयी हैं। भारतीय टीम का बांग्लादेश का दौरा 17 अगस्त से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगा। इसके बाद भारतीय टीम घर पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज से खेलेगी। इसके तहत 2 अक्तूबर से 14 अक्तूबर तक दो टेस्ट मैच होंगे। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इसमें भारतीय टीम को 19 अक्तूबर से 8 नवंबर तक 3 एकदिवसीय और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम 14 नवंबर से 19 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका से 2 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज की मेजबानी करेगी।

टीम का कार्यक्रम इस प्रकार है

20 जून से 4 अगस्त इंग्लैंड दौरा 5 टेस्ट

17 से 31 अगस्त बांग्लादेश दौरा 3 एकदिवसीय और 3 टी20ढ्ढ

2 से 14 अक्टूबर वेस्टइंडीज की मेजबानी 2 टेस्ट

19 अक्टूबर से 8 नवंबर ऑस्ट्रेलिया दौरा 3 एकदिवसीय और 5 टी20

14 नवंबर से 19 दिसंबर दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी 2 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी20

विराट कोहली ने सिर्फ 18 साल इंतजार किया, तेंदुलकर का इंतजार और भी लंबा था : सहवाग

मुम्बई । (एजेंसी)। विराट कोहली का IPL ट्रॉफी के लिए लंबा इंतजार मंगलवार रात को खत्म हुआ जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। RCB के स्टार खिलाड़ी 2008 में लीग की शुरुआत से सिर्फ RCB जुड़े हैं और खिताब का सूखा खत्म करने में उन्हें 18 साल लग गए। लेकिन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि तेंदुलकर का विश्व कप ट्रॉफी जीतने का इंतजार और भी लम्बा था और फिर भी उन्होंने कभी उम्मीद नहीं खोई।

सहवाग ने एक क्रिकेट वेबसाइट से कहा, 'उन्होंने (कोहली ने) ट्रॉफी जीतने के लिए केवल 18 साल इंतजार किया। सचिन तेंदुलकर ने 1989 से 2011 तक इंतजार किया। इसलिए, कोहली को कम इंतजार करना पड़ा और फिर भी सचिन ने कभी उम्मीद नहीं खोई। उन्होंने मन बना लिया था कि वह विश्व कप ट्रॉफी को अपने हाथ में लेकर ही रहेंगे।'

सहवाग ने कहा कि कोहली जब भी कोई फैसला करेंगे, तो उन्हें 'राहत' मिलेगी और वे बिना किसी पछतावे के संन्यास ले सकते हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'विराट कोहली के लिए भी यही बात है। अब, वह राहत महसूस कर सकते हैं। वह जब चाहें आईपीएल खेलना बंद कर सकते हैं। एक खिलाड़ी ट्रॉफी जीतने के लिए खेलता है। पैसा आता है और जाता है, लेकिन ट्रॉफी जीतना आसान नहीं है। भले ही कोहली का इंतजार खत्म हो गया हो, लेकिन उन्होंने अभी भी उनके अभियान में बहुत मजबूत योगदान दिया है।'

गौर हो कि RCB ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 190 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी पंजाब किंग्स का सफर रोलर कोस्टर वाला है और अंत में टीम को 6 रन से खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के नये कोच होंगे वॉल्टर

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका की सीमित ओवरों की टीम के पूर्व कोच रॉब वॉल्टर को गैरी स्टीड की जगह पर टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। बोर्ड ने वॉल्टर को तीनों ही प्रारुपों के लिए कोच की जिम्मेदारी दी है। अभी तक मुख्य कोच रहे स्टीड ने हाल ही में इस्तीफा दे दिया था। वॉल्टर का अनुबंध अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र 2027 तक रहेगा। वह विश्व कप, 2026 और 2028 में आयोजित होने वाले अगले दो टी20 विश्व कप और साथ ही 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक खेलों तक कोच रहेंगे। वाल्टर के ही कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम साल 2023 एकदिवसय विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के साथ-साथ 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंची थी। वॉल्टर जुलाई में जून के मध्य में अपना पदभार संभालेंगे। रॉब वॉल्टर का परिवार न्यूजीलैंड में ही रहता है। ऐसे में अब उन्हें अपने परिवार के साथ रहने का भी अवसर मिल जाएगा जबकि दक्षिण अफ्रीका का कोच रहने के दौरान उन्हें अलग रहना पड़ता था। वह न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में भी कोच रहे हैं। वह ओटागो वोल्ट और सेंट्रल स्टैग्स के कोच रहे हैं और उन्होंने 2022-23 में फॉर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड जीती थी। वॉल्टर ने साल 2022 में भारत दौरे पर न्यूजीलैंड ए टीम की भी कप्तानी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में तीन मैचों में ही उतारे जाएंगे बुमराह : गंभीर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। गंभीर के अनुसार अभी ये तय नहीं है कि बुमराह किन तीन मैचों में खेलेंगे। साथ ही कहा कि ये काफी हद तक उनके सीरीज के परिणामों पर निर्भर करेगा। गंभीर के अनुसार बुमराह खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं पर उनकी फिटनेस का ध्यान रखते हुए उनपर जरुरत से ज्यादा बोझ नहीं डाला जाएगा। गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम के पास ऐसे काफी गेंदबाज हैं, जो कठिन हालात में भी टीम को जीत दिला सकते हैं। इसलिए बुमराह को हर मैच में उतारना जरुरी नहीं है। गंभीर ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे पास कई तेज गेंदबाज शानदार फॉर्म में हैं। साथ ही कहा कि जब आपके पास बुमराह जैसा गेंदबाज हो, तो यह देखना शानदार होगा कि वह कितने मैच खेलते हैं। यह हमारे लिए एक विशेष अनुभव होगा। हालांकि, गंभीर ने यह भी माना कि बुमराह की जगह लेना आसान नहीं है पर कहा कि हमारे पास कई योग्य गेंदबाज उपलब्ध हैं। इससे अंदाजा होता है कि इस टीम में गहराई है और वह किसी एक खिलाड़ी पर ही नहीं टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि हम एक अच्छी स्थिति में हैं जिससे सभी खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं। यह कुछ विशेष करने का एक और अवसर है। टेस्ट के पिछले खराब प्रदर्शन से उबरते हुए टीम आगे बढ़ने के लिए तैयार है। कोच के अनुसार टीम के पास कई नई प्रतिभाएं हैं जिनके पास इस सीरीज में अपने को साबित करने का अवसर है।

आईपीएल के इस सत्र से विराट ने 27 करोड़ से अधिक कमाये

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रहे। विराट का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उन्होंने 657 रन बनाये। विराट आईपीएल की शुरुआत साल 2008 से ही आरसीबी के साथ हैं। वहीं कमाई की बात करें तो विराट ने इस सत्र से करीब 27 करोड़ रुपये कमाये हैं। विराट कोहली को आरसीबी ने मेगा नीलामी से पहले ही 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। वह हेनरिक क्लासेन 23 करोड़ के बाद रिटेन होने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी थे। आईपीएल में खिलाड़ियों को वेतन के अलावा मैच फीस भी मिलती है। एक मैच खेलने के लिए खिलाड़ी को साढ़े 7 लाख रुपये मिले। इस सत्र में विराट ने ग्रुप राउंड में 13 मुकाबले खेले। इसके अलावा प्लेऑफ में क्वालिफायर-1 और फाइनल खेला। इस तरह उनके कुल 15 मुकाबले हो गए। इसके लिए उन्हें एक करोड़ 12 लाख पचास हजार रुपये की राशि मिली। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल इनामी राशि का 30 फीसदी खिलाड़ियों के बीच बांट दिया जाता है। आरसीबी में 22 खिलाड़ी हैं और इस तरह विराट के हिस्से में करीब 27 लाख रुपये आएंगे। वहीं लीग के दौरान इंडोर्समेंट से भी विराट की कमाई करीब 5 करोड़ रुपये हुई। इस तरह आईपीएल 2025 के दौरान विराट ने लगभग 27 करोड़ 40 लाख रुपये कमा लिए। इस प्रकार हर एक मैच के लिए उन्हें एक करोड़ 83 लाख रुपये मिले।

शुभमन को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल को अपनी टेस्ट बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तान बनाया गया है। पोंटिंग के अनुसार उसे उसे बल्लेबाजी क्रम में चौथे नंबर पर उतरना चाहिए। विराट कोहली के संन्यास के बाद चौथे नंबर पर शुभमन के उतरने से लाभ होगा। पोंटिंग ने कहा कि कप्तानी के शुरूआती दौर में शुभमन इस क्रम पर उतर सकते हैं। पोंटिंग ने कहा, 'गिल का सफेद गेंद के प्रारूप में फॉर्म काफी अच्छा पर पर उसे टेस्ट बल्लेबाजी में भी अपवे को साबित करना होगा। साथ ही कहाक कि अगर आप नए कप्तान हैं तो यह आसान नहीं होता। नए कप्तान के लिए अपनी बल्लेबाजी को लेकर सोचना कठिन रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय चयन समिति ने उसे कप्तान बनाकर सही फैसला लिया है। साथ ही कहा कि शुभमन अभी युवा हैं और लंबे समय तक कप्तानी कर सकते है। उन्होंने कहा, 'पिछले सत्र में जब रोहित ने सिडनी टेस्ट नहीं खेलने का फैसला किया तो मेरा ध्यान उन्हें कप्तान बनाने को लेकर गया था पर तब जयप्रीत बुमराह को कप्तानी दे दी गयी थी। बुमराह की फिटनेस को लेकर आशंका थी और उस मैच के दौरान ही वह चोटिल हो गए थे। पोंटिंग ने यह भी कहा कि शुभमन को टेस्ट मैच बल्लेबाजी के लिए मानसिक पक्ष पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे महान टेस्ट बल्लेबाज भी हुए हैं जिनकी रक्षात्मक तकनीक उतनी अच्छी नहीं थी पर वे सफल रहे। इसके लिए आपको अपने स्ट्रोक्स पर नियंत्रण रखना होगा।

आकाश चोपड़ा ने अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी, शुभमन और पाटीदार को नहीं मिली जगह

अहमदाबाद (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2025 की अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है। हैरानी की बात ये है कि चोपड़ा की इस टीम में शुभमन गिल और रजत पाटीदार को जगह नहीं मिली है। गुजरात टाइटंट के कप्तान शुभमन ने जहां आईपीएल में 650 रनों के साथ ही सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। वहीं रजत की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पहली बार खिताब जीतने में सफलता हासिल की। चोपड़ा ने अपनी टीम में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और आरसीबी में शामिल रहे विराट कोहली को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया। सुदर्शन ने इस सत्र में सबसे अधिक 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती है। वहीं कोहली ने 15 मैचों में 657 रन बनाये हैं और वह सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। आकाश ने कहा, सबसे पहले मैंने सुदर्शन को अपनी टीम में रखा है।

उसने काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने आगे कहा, मेरी टीम में सुदर्शन के साथ विराट होंगे। विराट का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा रहा। उन्होंने घर से बाहर ज्यादातर मैचों में अर्धशतक बनाए। उन्होंने जब भी अर्धशतक लगाया तो टीम जीती। उन्होंने अहम भूमिका निभाई। इस साल उनकी बल्लेबाजी में बदलाव भी दिखा। आकाश ने गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर 538 रन को तीन और चौथे नंबर पर पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर 604 रन को रखा है। वहीं पांचवें नंबर पर मुंबई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को रखा है। सूर्या ने 16 मैचों मे 717 रन बनाए। वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे।

आकाश ने छठे नंबर पर डेवाल्ड ब्रेविस को रखा, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में विकल्पव के रूप में आने के बाद जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने 6 मैचों में 180.00 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाये। उनके बाद आरसीबी के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या का नंबर है। उन्होंने 224 रन बनाने के अलावा 17 विकेट भी लिए। मुम्बई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 18 विकेट लिए हैं उन्हें आठवें और चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को 24 विकेट के कारण नौवें पायदान पर रखा है। आरसीबी के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को 22 विकेट ओर पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा को सबसे अधिक 25 विकेट के लिए 10 वें और 11 वें स्थान पर रखा है।

आकाश चोपड़ा की आईपीएल 2025 की सर्वश्रेष्ठ टीम -साई सुदर्शन, विराट कोहली, जोस बटलर, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, क्रुणाल पांड्या, जसप्रीत बुमराह, नूर अहमद, जोश हेजलवुड, प्रसिद्ध कृष्णा।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज अब सचिन-एंडरसन सीरीज के नाम से जानी जाएगी

मुम्बई । भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरु होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर होगी। पहले इसका नाम पटौदी ट्रॉफी रखा गया था। वहीं अब इसे भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन और इंग्लैंड के महानतम गेंदबाज एंडरसन के नाम पर रखा गया है। तेंदुलकर और एंडरसन ने एक-दूसरे के खिलाफ 14 टेस्ट मैच खेले हैं। एंडरसन ने सबसे अधिक बार तेंदुलकर को आउट किया है। वहीं पहले दोनो देशों के बची इंग्लैंड में खेली गयी टेस्ट सीरीज पटौदी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। पटौदी ने 1930 और 40 के दशक में भारत और इंग्लैंड दोनों के लिए खेला जबकि उनके बेटे मंसूर ने 1960 और 70 के दशक में भारत के लिए खेला। इंग्लैंड अंतिम पाटौदी ट्रॉफी में जीत हासिल करने में सफल रही थी। वहीं पिछली बार सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा, 'हाल ही में खबर आई है कि ईसीबी पाटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने जा रहा है, जो इंग्लैंड में इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज के विजेताओं को दी जाती है, यह वास्तव में परेशान करने वाली खबर है. यह पहली बार है जब किसी ट्रॉफी का नाम व्यक्तिगत खिलाड़ियों के नाम पर रखा गया है, हालांकि यह फैसला पूरी तरह से ईसीबी का है और बीसीसीआई की इसमें कोई भूमिका नहीं होगी।'

टीम मीटिंग सिर्फ इस बात पर केंद्रित होती थी कि उसे कैसे आउट किया जाए: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा को कैसे आउट किया जाए? यह एक ऐसा सवाल था जिस पर रोहित शर्मा और उनके मुंबई के साथी जूनियर क्रिकेट के दिनों में अक्सर चर्चा करते थे क्योंकि उन्हें पता था कि सौराष्ट्र का यह बल्लेबाज दो या तीन दिन की लगातार बल्लेबाजी में उन्हें धूल चटा सकता है। रोहित ने याद दिलाया कि आयु-समूह मैचों में पुजारा का विकेट अक्सर उनकी टीम के लिए जीत या हार का अंतर होता था, यह उस साहसी बल्लेबाज की शुरुआती निशानी थी जिसने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 19 शतक और 35 अर्द्धशतक के साथ 7,195 रन बनाए।

रोहित ने पुजारा की पत्नी पूजा की किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर वाइफ' के लॉन्च के मौके पर कहा, 'मुझे अभी भी याद है, टीम मीटिंग सिर्फ इस बात पर केंद्रित होती थी कि उसे कैसे आउट किया जाए और अगर हम उसे आउट नहीं करते, तो शायद हम मैच हार जाते।' पूर्व भारतीय कप्तान ने मजाक में कहा कि पुजारा के खिलाफ धूप में खेलने के बाद उनका लुक इतना बदल जाता था कि उनकी मां भी थोड़ी परेशान हो जाती थीं।

उन्होंने कहा, 'मुझे बस इतना याद है कि जब मैं 14 साल का था और मैदान पर जाता था और शाम को वापस आता था, तो मेरे चेहरे का रंग बिल्कुल अलग होता था। क्योंकि वह पूरे दिन बल्लेबाजी करता था और हम 2-3 दिन धूप में फील्डिंग करते थे। मुझे अभी भी याद है कि मेरी मां ने मुझसे कई बार पूछा था कि जब तुम घर से खेलने जाते हो, तो तुम अलग दिखते हो और जब तुम एक हफ्ते या 10 दिन बाद घर आते हो, तो तुम अलग दिखते हो। मैं कहता था, 'मां, मैं क्या करूं? चेतेश्वर पुजारा नाम का एक बल्लेबाज है। वह तीन दिनों से बल्लेबाजी कर रहा है... इसलिए हमें उसके बारे में यही पहली धारणा बनी।'

रोहित ने पुजारा को अपने करियर की शुरुआत में दोनों घुटनों में एसीएल (पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट) की चोट लगने के बाद 100 से अधिक टेस्ट खेलने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, '(यह) बहुत बड़ी चोट थी (और) इतनी बुरी चोट थी। उसके दोनों एसीएल चले गए थे। किसी भी क्रिकेटर के लिए, अगर आप एथलीट नहीं हैं या कोई खेल नहीं खेल रहे हैं, तो यह बहुत कठिन है, अगर आप अपने दोनों एसीएल खो देते हैं। हम उनकी दौड़ने की तकनीक और इस तरह की अन्य चीजों को लेकर उनका मजाक उड़ाते थे, लेकिन इसके बाद भी वह भारत के लिए 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने में सफल रहे, जिस तरह से उन्होंने इसे प्रबंधित किया, उसका बहुत सारा श्रेय उन्हें जाता है। खेल खेलने के लिए उनमें बहुत समर्पण और जुनून था।'

हर्षवर्धन दीवानियत के अंतिम शेड्यूल के लिए तैयार

अभिनेता हर्षवर्धन राणे अपनी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शूटिंग अगले हफ्ते से शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने जुलाई में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओमंग कुमार के साथ अपनी अगली सोलो फिल्म शुरू करने को लेकर भी उत्साह जताया है। हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह स्विमिंग पूल के पास खड़े नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में वह सफेद बिना बाजू की शर्ट, काली कार्गो पैंट और सनग्लास पहने हुए हैं। वह इन कपड़ों में काफी स्टाइलिश दिख रहे हैं। हर्षवर्धन ने लिखा, अगले हफ्ते दीवानियत की आखिरी शूटिंग चरण का इंतजार है और एक महीने बाद राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओमंग कुमार सर के साथ अपनी अगली एकल फिल्म शुरू करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आज शाम तक और जानकारी दूंगा!

अगर बात करें 'एक दीवाने की दीवानियत' की तो इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ सोनम बाजवा भी नजर आएंगी। यह फिल्म दशहरे पर रिलीज की जाएगी। 27 मई को फिल्म का पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें मुख्य जोड़ी के बीच गहरी भावना और केमिस्ट्री दिखाई गई थी। यह फिल्म प्यार, भावनाओं और ड्रामा से भरी कहानी का वादा करती है। अभिनेताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 2 अक्टूबर 2025, गांधी जयंती और दशहरे के मौके पर सिनेमाघरों में दिखेगी मोहब्बत, नफरत और एक दीवाने की दीवानियत की कहानी! यह फिल्म प्यार, जुनून और दिल टूटने जैसी गहरी भावनाओं को दिखाती है। अगर ओमंग कुमार की इस आने वाली फिल्म की बात करें, तो इसमें सादिया खतीब और करण वीर मेहरा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ओमंग कुमार दमदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, और हर्षवर्धन की जबरदस्त अभिनय शैली के साथ यह फिल्म एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगी। इस फिल्म को ओमंग कुमार के साथ मिलकर उमेश के.आर. बंसल, प्रगति देशमुख, हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह, अभिषेक अंकुर और कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं राहत शाह काजमी इस फिल्म के सह-निर्माता हैं। हर्षवर्धन ने अपने करियर की शुरुआत 2007-2008 में टेलीविजन शो लेफ्ट राइट लेफ्ट में एक छोटे से रोल से की थी।

मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं, समाज में बदलाव लाना भी है

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने खिताब जीतने से लेकर मिस वर्ल्ड मंच पर जज बनने तक के अपने शानदार सफर के बारे में बातचीत की। अभिनेत्री का मानना है कि मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। अभिनेत्री ने बताया, 'ब्यूटी विद ए पर्पस' मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का मूल मंत्र है, यानी सिर्फ बाहरी सुंदरता नहीं, बल्कि एक बड़े मकसद के लिए काम करना। वह बताती हैं कि जब वह 20 साल की थीं, तब उन्होंने इस मंच पर हिस्सा लिया था। उनके पास एक सपना और एक प्रोजेक्ट था, जिसे उन्होंने वहां पेश किया। 'ब्यूटी विद ए पर्पस' ही मिस वर्ल्ड की आत्मा है। यहां जितने भी लोग आते हैं, उनकी आंखों में भी सपने होते हैं।

प्रतियोगिता से जुड़ी बातों को शेयर करते हुए उन्होंने बताया, आज भी मुझे वो शब्द याद हैं कि 'क्या अंधेरे में एक दीया जलाना, बिल्कुल न देखने से बेहतर नहीं है? मैं बस यही कहना चाहती हूं कि यही मिस वर्ल्ड का मिशन है। जब हम इन सभी अद्भुत महिलाओं को मंच पर देखते हैं, तो गर्व होता है। वे केवल प्रशंसा के लिए नहीं आई हैं। वे यहां बदलाव की चिंगारी जलाने आई हैं। उन्होंने बताया, मिस वर्ल्ड का मिशन यही है कि ये प्रतियोगी सिर्फ तारीफ बटोरने नहीं आतीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करती हैं। वे अपने विचारों और प्रोजेक्ट्स के जरिए दुनिया में एक नई रोशनी फैलाने की कोशिश करती हैं। मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। उन्होंने फेमिना मिस इंडिया 2017 प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का ताज जीता। मानुषी ने पीरियड ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अभिनय जगत में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने संयोगिता का किरदार निभाया था। इसके बाद वह कॉमेडी-ड्रामा 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' और एक्शन ड्रामा 'बड़े मियां छोटे मियां' में दिखाई दीं। मानुषी छिल्लर 'तेहरान' समेत कई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं।

अगले साल अक्टूबर में आएगी अजय देवगन स्टारर दृश्यम 3

जय देवगन इन दिनों फिल्म रेड 2 की सफलता का जश्न मना रहे हैं। उनकी यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आने वाले समय में अजय एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। अब उनकी क्राइम थ्रिलर फ्रेंचाइज दृश्यम की तीसरी किस्त का ऐलान हो गया है, जिसके निर्देशन की कमान जाने-माने निर्देशक अभिषेक पाठक ने संभाली है। इसके साथ फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

अजय और अभिषेक की यह फिल्म अगले साल गांधी जयंती के अवसर पर यानी 2 अक्टूबर 2026 को दर्शकों के बीच आएगी। अजय बड़े परदे पर एक बार फिर विजय सलगांवकर के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम जारी है। दृश्यम 3 की शूटिंग शुरू करने से पहले अजय दे दे प्यार दे 2, धमाल 4 और रेंजर की शूटिंग पूरी करेंगे। दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग तो पिछले काफी समय से जारी है। बता दें कि इस फिल्म में अजय के साथ रकुल प्रीत सिंह भी लीड रोल में हैं।

जिंदगी में कभी भी बिग बॉस का नहीं हिस्सा नहीं बनूंगी

टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना पिछले कुछ समय से लगातार अपने इंटरव्यू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इंटरव्यू में वो खुलकर कास्टिंग काउच और पैसे नहीं मिलने जैसे मुद्दे पर बात कर रही हैं। अब चाहत ने सलमान खान के शो बिग बॉस को लेकर कहा कि वो उस शो का कभी हिस्सा नहीं बनेंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें बिग बॉस से ऑफर आए तो वो शो में जाएंगी? इस सवाल के जवाब में चाहत कहती हैं- बिग बॉस का ऑफर तो हर साल एक्टर्स को आता है। शायद कभी कोई हां बोले दे लेकिन मैं तो कभी ना जाऊं। मुझे मौका मिले तो कुएं में कूद जाऊं लेकिन बिग बॉस में नहीं जाऊंगी। मैं जानती हूं वो कितना षडयंत्र रचकर बैठे हैं। मेरे पास्ट की धज्जियां उड़ा देंगे। अगर खाने को पैसे नहीं हुए तो मैं कहीं जॉब कर लूंगी लेकिन जिंदगी में कभी बिग बॉस नहीं जाऊंगी।

चाहत की करियर की बात करें तो वो बड़े अच्छे लगते हैं और कबूल हैं जैसे हिट शो क हिस्सा रही हैं। हालांकि, अब वो कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं। इसके पीछे की वजह एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम नहीं करना चाहता है। उन्होंने इंडस्ट्री में तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस का दो बार तलाक हो चुका है। उनकी पहली शादी ज्यादा लंबी नहीं चली थी। महज 4 महीने के अंदर ही उन्होंने तलाक ले लिया था। फिर उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की और दोबारा शादी की, लेकिन वह शादी भी लंबे समय तक नहीं चली और तलाक हो गया। चाहत कहती हैं कि तलाक और सेपरेशन कभी भी आसान नहीं होते, खासकर तब जब बच्चे हों।

ओटीटी से आज भी दूरी बनाए हुए हैं ये सितारे, डिजिटल डेब्यू को लेकर नहीं दिखाई दिलचस्पी

मनोरंजन की दुनिया में ओटीटी एक बड़ा प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। कितने ही सितारे जो बड़े परदे पर गुमनाम रहे, ओटीटी ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। कई नामी सितारे भी बड़े उत्साह के साथ ओटीटी फिल्मों में काम कर रहे हैं। मगर, कई सितारे ऐसे हैं, जो अब भी ओटीटी से कोसों दूर हैं।

जॉन अब्राहम

अभिनेता जॉन अब्राहम अब तक ओटीटी से दूर हैं। यहां डेब्यू को लेकर उन्हें कोई दिलचस्पी भी नहीं। हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात करते हुए साफ कहा कि वे बड़े परदे के एक्टर हैं। जॉन का कहना है, मेरे दिमाग में, मुझे लगता है कि मैं बड़े पर्दे के लिए बना हूं। उन्होंने कहा, मैं अभी वेब सीरीज नहीं करना चाहता। हालांकि, इसमें कोई दोराय नहीं कि अगर बढ़िया कहानी मिलती है, जो मुझे वाकई में पसंद आएगी, तो मैं वेब सीरीज जरूर बनाऊंगा। एक्टर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे राकेश मारिया की बायोपिक कर रहे हैं।

सलमान खान-आमिर खान

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान भी ओटीटी से दूर हैं। वे सिनेमाघरों के बादशाह बने हुए हैं। इसी तरह बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से दूर हैं। इनके ओटीटी डेब्यू की कोई जानकारी नहीं हैं। हालांकि, अब तक ओटीटी से दूर रहे शाहरुख खान ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। वे अपने बेटे आर्यन द्वारा निर्देशित सीरीज में नजर आएंगे, ऐसी खबर है।

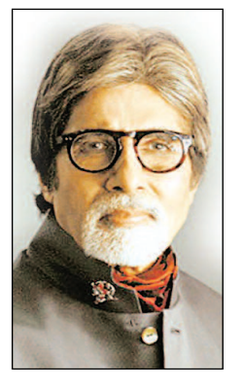

अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन बड़े परदे के शहंशाह हैं। ओटीटी पर भी उनके डेब्यू का दर्शक इंतजार कर रहे हैं। मगर, बिग बी ने इस प्लेटफॉर्म से अब तक दूरी बना रखी है। देखना दिलचस्प होगा कि वे कब इस प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करते हैं।

सोनू सूद

सोनू सूद का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। हालांकि, बतौर निर्माता वे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुके हैं। मगर, बतौर एक्टर उन्होंने अभी ओटीटी का रुख नहीं किया है।

'हीरामंडी' के बाद अध्ययन सुमन के लिए नहीं खुले दरवाजे

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' से मिली जबरदस्त तारीफ के बाद भी इंडस्ट्री का वैसा साथ ना मिलना, जैसा उम्मीद थी लेकिन अध्ययन सुमन ने हार नहीं मानी। अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में उन्होंने अपने संघर्ष, फैसलों और फिल्मों के बजट की हकीकत से पर्दा उठाया। जानिए कैसे उन्होंने मुश्किलों का सामना किया और इंडस्ट्री के हालात पर क्या कहा।

'सच कहूं तो, मुझे लगा था 'हीरामंडी' के बाद सब कुछ बदल जाएगा। इतना प्यार और तारीफ मिली, मेरे सीन भी खूब वायरल हुए, लेकिन इंडस्ट्री से वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिला जैसा मैंने सोचा था। अब एक साल से ऊपर हो गया है, लेकिन आज तक मुझे वो फिल्में नहीं मिलीं जो मिलनी चाहिए थीं। ये बात दिल को थोड़ा चुभती है। जब दिल से मेहनत करो और ऑडियंस भी तुम्हें पसंद करे, तो उम्मीद होती है इंडस्ट्री भी साथ देगी। इस साल मेरी तीन फिल्में हैं। दो वो जो पहले से शूट हुई थीं और एक नया प्रोजेक्ट जो 'हीरामंदी' के बाद साइन किया है। वो खास है। लेकिन सच कहूं तो फोन कॉल्स कम हो गए हैं, दरवाजे कम खुले हैं, मिलने वाले कम हुए हैं। ये मेरे लिए बड़ा सच सामने आना जैसा है।'

कभी ऐसा लगा कि सब कुछ छोड़ दूं?

'हां, एक दिन ऐसा जरूर आया जब लगा कि सब खत्म हो गया। लेकिन उसी दिन मैंने मन बनाया कि जो लोग मेरी हार देखना चाहते हैं, उन्हें मौका नहीं दूंगा। मैंने अपने सबसे मुश्किल वक्त से खुद को निकाला। मेरे लिए सफलता पैसे या हिट-फ्लॉप नहीं है। सफलता है- ईमानदार रहना, चाहे वक्त कैसा भी हो। मैं खुद को आज दुनिया का सबसे सफल इंसान मानता हूं क्योंकि मैं टूटा, लेकिन चलता रहा। काम मिलता रहे, यही दुआ है मेरी।'

क्या आपके पिता, शेखर सुमन जी ने कभी आपके करियर के फैसलों में दखल दिया?

'जब मैंने पापा से कहा था कि मैं 'हाल-ए-दिल' से डेब्यू करना चाहता हूं, तो उन्होंने कहा, 'ये तुम्हारे लिए सही शुरुआत नहीं है। मैं तुम्हें लॉन्च नहीं कर सकता क्योंकि मेरे पास पैसे नहीं हैं। लेकिन अगर तुम करना चाहते हो, तो ये फैसला तुम्हारा है। बाद में आकर रोना मत और जब मैं फिल्म के सेट पर पहुंचा, पहला फोन पापा को किया था। मैंने कहा, 'पापा, ये मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा गलत फैसला है। तो पापा बोले, अब तू कूद चुका है समुंदर में, तो खुद तैरना पड़ेगा। प्रोड्यूसर ने पैसे लगा दिए हैं, अब पीछे हटना मुश्किल है। मैं उन्हीं की वजह से आज भी मजबूत हूं क्योंकि उन्होंने मुझे कभी स्पेशल ट्रीटमेंट नहीं दिया, बल्कि मेरी लड़ाई खुद लड़ने दी।'

कभी लगा कि कुछ फैसले जल्दीबाजी में कर लिए?

'सच कहूं, 'हाल-ए-दिल' साइन करने के बाद आज भी सोचता हूं कि इतनी जल्दी क्यों कर लिया। न्यू यॉर्क फिल्म एकेडमी से डायरेक्शन का कोर्स किया था, बस जल्दी काम शुरू करना चाहता था। उस वक्त कोई खास रोल नहीं देखा, बस काम करना था। अब सोचता हूं कि इंतजार कर सकता था, कोई बेहतर कहानी या रोल मिलने का इंतजार कर सकता था। पर वही गलती मुझे तोड़ा और फिर मजबूत भी बनाया।'

बीच में की गई फिल्मों के बारे में क्या सोचते हैं?

कुछ फिल्में ऐसी भी कीं, जिन्हें दिल से नहीं करना चाहिए था। 2014 की एक फिल्म थी, मुझे पता था ये सही नहीं है, लेकिन काम नहीं मिलता था, तो इंसान डेस्परेट हो जाता है। जो भी मौका मिलता, पकड़ लेना पड़ता था। लेकिन अब वो दौर खत्म हो चुका है। अब मैं सिर्फ वही काम करूंगा जिसमें दिल और आत्मा हो, मजबूरी नहीं। कोई ऐसा पल जो हमेशा दिल में बस गया हो - जब आपके पापा ने गर्व से आपको देखा हो? शायद पहली फिल्म में नहीं, लेकिन एक खास मौका था, जब भंसाली साहब ने मेरे पापा को फोन किया था। मेरे लिए वो पल बहुत खास था।

आजकल फिल्मों के बजट 500 से 1000 करोड़ तक पहुंच गए हैं, क्या इंडस्ट्री को इतना फायदा हो रहा है?

'असलियत ये है कि बड़े बजट का आधा हिस्सा एक्टर्स, उनके स्टाफ और मैनेजमेंट में चला जाता है। मेकअप आर्टिस्ट और टीम को इतना पैसा मिलता है कि असली प्रोडक्शन, स्क्रिप्ट और सिनेमैटोग्राफी पर कम पड़ जाता है। इसलिए कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक सफल नहीं हो पातीं। अगर पैसा सही जगह, जैसे स्क्रिप्ट और तकनीशियनों पर लगाया जाए, तो नतीजे बेहतर हो सकते हैं। फिलहाल इंडस्ट्री घाटे में है और बिजनेस सही नहीं चल रहा। नए टैलेंट को मौके मिलते हैं, लेकिन वे कम हैं, जबकि कई बार एक ही शख्स को कई फ्लॉप प्रोजेक्ट्स के बाद भी मौका मिलता रहता है। ये एक बड़ा मुद्दा है, जिस पर इंडस्ट्री को सोचने की जरूरत है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।